www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 80 | जौनपुर सोमवार, 03 नवम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में महिलाओं –ट्रांसजेंडर के लिए पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड लॉन्च

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने रविवार को पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड की शुरुआत की। यह एक विशेष पहल है जिसका उद्देश्य दिल्ली परिवहन निगम और क्लस्टर बसों में महिलाओं और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को मुफ्त और सुविधा जनक यात्रा प्रदान करना है। इस नई योजना के तहत, 12 वर्ष से अधिक आयु की बेटियाँ, बहनें और माताएँ अब राजधानी भर में मुफ्त यात्रा का आनंद ले सकेंगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पोस्ट पर यह घोषणा की। सीएम गुप्ता ने एक्स पर कहा कि दिल्ली सरकार ने महिलाओं और ट्रांसजेंडरों के लिए शपिंक सहेली स्मार्ट कार्डश लॉन्च किया है। अब, 12 वर्ष से अधिक आयु की बेटियाँ, बहनें और माताएँ डीटीसी और क्लस्टर बसों में मुफ्त और सुविधाजनक यात्रा कर सकेंगी। पोस्ट में आगे लिखा गया है कि यह पहल दिल्ली में महिलाओं के लिए यात्रा को आसान बनाने, सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने और नारी शक्ति को अधिक सुविधाएँ और सम्मान प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे पहले, दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शुक्रवार को घोषणा की कि दिल्ली सरकार ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के दूरदर्शी नेतृत्व में शहर के गैर–अनुरूप क्षेत्रों में संचालित निजी गैर– सहायता प्राप्त स्कूलों को मान्यता देने का एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

गाजियाबाद के शोरूम में भीषण आग

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में मुरादनगर के गणपति हाईटेक डिस्ट्रीब्यूटर प्राइवेट लिमिटेड में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पाया। इस अग्निकांड में शोरूम के साथ–साथ उसमें रखे वाहन भी जलकर राख हो गए। हालांकि, किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। फायर विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार को शाम लगभग 5 बजकर 13 मिनट पर फायर स्टेशन मोदीनगर को सूचना मिली कि गणपति हाईटेक डिस्ट्रीब्यूटर प्राइवेट लिमिटेड, विजय मंडी कस्बा रोड, मुरादनगर में आग लगी हुई है। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन प्रभारी के नेतृत्व में दो फायर टैंकरों सहित पूरी यूनिट मौके के लिए रवाना हुई। घटना स्थ्थल पर दमकलकर्मियों ने देखा कि आग शोरूम के भूतल पर लगी थी और तेजी से फैलते हुए प्रथम तल और ऊपर के हिस्सों तक पहुंच गई थी। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। तत्काल फायर यूनिट ने एक होज पाइप लाइन लगाकर आग बुझाने का कार्य प्रारंभ किया।

बिहार में दो–तिहाई बहुमत से एनडीए की सरकार बनेगी – गृहमंत्री शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार विधानसभा चुनावों में नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) की बड़ी जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि गठबंधन 243 में से 160 सीटें जीतेगा और दो–तिहाई बहुमत से सरकार बनाएगा। बिहार पावर प्ले कॉन्क्लेव में गृह मंत्री शाह ने वोटर्स के सपोर्ट पर भरोसा जताया। गृह मंत्री ने कहा कि बिहार देश के सबसे ज्यादा पॉलिटिकल रूप से जागरूक राज्यों में से एक है। पिछले दो दशकों में लोगों ने काफी तरक्की देखी है। उन्होंने बिहार की कानून–व्यवस्था की स्थिति को बदलने का श्रेय सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार को दिया। उन्होंने कहा कि आज आप किसी भी युवा से पूछिए, वे आपको बताएंगे कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार कितना ज्यादा सुरक्षित महसूस होता है। बिहार के विकास की एक डिटेल्ड रिपोर्ट पेश करते हुए उन्होंने गंगा नदी पर चार पुलों के निर्माण, दस और पुलों के पाइपलाइन में होने, सेल्फ–एम्प्लॉयमेंट के लिए एक कॉम्प्रिहेंसिव ब्लूप्रिंट और माओवादी एक्टिविटी के लगभग खत्म होने जैसी मुख्य उपलब्धियों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पहले बातें डकैती और हिंसा की होती थीं।

पटना में मोदी का शक्ति प्रदर्शन, उमड़ा जनसैलाब

पटना, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पटना में एक भव्य रोड शो किया। हजारों समर्थकों द्वारा भव्य स्वागत के साथ, प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए के चुनावी अभियान की शुरुआत की। कड़ी सुरक्षा के बीच, जब प्रधानमंत्री का काफिला शहर से गुजरा, तो लोगों ने जयकारे लगाए, भाजपा के झंडे लहराए और मोदी–मोदी के नारे लगाए। महिलाएं अपनी बालकनियों से आरती उतारती नजर आईं, जबकि अन्य लोग मार्ग पर पुष्प वर्षा करते नजर आए, जिससे रोड शो एक उत्सव में बदल गया। प्रधानमंत्री मोदी के रोड शो पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि यह अविश्वसनीय था। महिलाओं ने अपनी प्रशंसा व्यक्त की और आरती उतारीय यह हमारे लिए एक भावुक क्षण था। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने नवादा में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने बिहार के लोगों के अपार उत्साह के लिए उनका आभार व्यक्त किया और कहा कि युवाओं में दिख रही ऊर्जा फिर एक बार एनडीए सरकार का एक मजबूत संदेश देती है। उन्होंने कहा कि भीड़ का उत्साह एनडीए के विकास–केंद्रित शासन मॉडल में लोगों के विश्वास को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यहाँ की ऊर्जा प्रगति के हमारे विजन में बिहार के विश्वास को दर्शाती है। अपने भाषण में, प्रधानमंत्री ने विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला बोला और राजद और कांग्रेस दोनों पर जनकल्याण से पहले पारिवारिक हितों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, राजद और कांग्रेस, दोनों ही अपने–अपने परिवारों के इर्द–गिर्द घूमती हैं। एक बिहार का सबसे भ्रष्ट परिवार है, तो दूसरा देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है।

प्रधानमंत्री मोदी ने गठबंधन की अंदरूनी कलह का भी मजाक उड़ाया और दावा किया कि कांग्रेस और राजद अपनी साझेदारी के बावजूद एक–दूसरे के खिलाफ काम कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, पूरे देश ने देखा कि कैसे राजद ने बिहार कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ अपना उम्मीदवार खड़ा किया। खबर यह है कि कांग्रेस हर बूथ पर राजद को हराने के लिए प्रतिबद्ध है।

वैश्विक स्तर पर आज भारत की मजबूत पहचान : सीएम योगी

गोरखपुर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कभी पहचान के संकट के दौर से गुजरने वाला भारत आज दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में एहसास करा रहा है। यह बदलाव लीडरशिप (नेतृत्व) की कार्यपद्धति से आया है। समर्थ और प्रभावी नेतृत्व वही होता है जो देश के प्रति दुनिया की धारणा बदलने का सामर्थ्य रखता हो। विगत 11 वर्षों से देश में ऐसी ही लीडरशिप देखने को मिल रही है। सीएम योगी शनिवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में सैमसंग इनोवेशन कैंपस द्वारा आयोजित प्रमाणपत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और अन्य प्रौद्योगिकी संस्थानों के करीब 1300 छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। उन्होंने अपने हाथों से आठ विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले का भारत पहचान के संकट के दौर से गुजर रहा था। भ्रष्टाचार व्यवस्था पर हावी था। वैश्विक स्तर पर देश का सम्मान समाप्त हो रहा था। युवा पहचान को मोहताज हो रहे थे, पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में विकास और जनहित के अनेक कार्यक्रमों के क्रियान्वयन से वैश्विक स्तर पर भारत को मजबूत पहचान स्थापित करने में सफलता मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम स्टार्टअप, पीएम स्टैंडअप और डिजिटल इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने भारत को न केवल नई पहचान दी है, बल्कि देश को दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बनाने में भी भरपूर योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव अचानक नहीं हुआ, बल्कि इसके लिए सरकार के स्तर पर अनेक प्रयास किए गए। सीएम योगी ने आमजन के जीवन को सुगम बनाने के लिए युवाओं से इमर्जिंग टेक्नोलॉजी और नवाचार पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ईज ऑफ लिविंग (जीवन सुगमता) बढ़ाने में तकनीकी काफी सहायक हो सकती है। आज तकनीकी के इस्तेमाल से ऐसे नवाचार जरूरी हैं, जिससे जीवन को और भी सहज और सरल बनाया जा सके।

आरएसएस पर कोई ताकत प्रतिबंध नहीं लगा सकती

मुंबई, एजेंसी। मोकामा हत्याकांड पर शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम ने कहा कि बिहार चुनाव के दौरान हिंसा की आशंका अब सच साबित हो गई है। कई माफिया नेता एक–दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि कुछ अलग–अलग उम्मीदवारों का समर्थन कर रहे हैं। पुलिस को मामले की पूरी जांच करनी चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि दोषियों को सजा मिले। उन्होंने कहा कि मोकामा ने बिहार चुनाव में होने वाले खून खराबे की घंटी बजा दी है। राजद के पूर्व विधायक दुलारचंद की हत्या में कौन–कौन शामिल है, इसकी जांच होनी चाहिए। दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दुलारचंद यादव भी दूध के धुले नहीं थे। वे भी एक छोटे–मोटे माफिया थे। उन्होंने भी चुनाव को हिंसक रूप देने का कदम उठाया। फिर भी चुनाव शांतिपूर्ण होना चाहिए। किसी भी व्यक्ति की हत्या नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही दुलारचंद को लेकर इतनी सहानुभूति भी नहीं होनी चाहिए, जितनी हो रही है। कानूनी कार्रवाई की दी चेतावनी वहीं, शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम ने कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत आरएसएस पर प्रतिबंध नहीं लगा सकती क्योंकि यह कोई आतंकवादी संगठन नहीं, बल्कि एक सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन है। इससे पहले अखिल भारतीय एसआईआर विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (शिंदे गुट) के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता संजय निरुपम ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्ध्होंने कहा कि फर्जी मतदाता का मुद्दा सिर्फ हार छिपाने का बहाना है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि कांग्रेस ने मतदाता सूची को लेकर झूठा नैरेटिव गढ़ा था और अब उनके ही दावे गलत साबित हो चुके हैं। निरुपम ने कहा कि कुछ महीने पहले कांग्रेस ने यह प्रचार करना शुरू किया कि मतदाता सूचियों में अनियमितताएं हैं और बड़े पैमाने पर फर्जी मतदाता जोड़े गए हैं। इस मुद्दे पर राहुल गांधी ने खुद एक पावरपॉइंट प्रजेंटेशन दिया था, लेकिन बाद में जिन मतदाताओं को फर्जी बताया गया था, वे खुद सामने आकर सच्चाई बयान कर चुके हैं, जिससे कांग्रेस के झूठ का पर्दाफाश हो गया। संजय निरुपम ने कहा कि राहुल गांधी ने दावा किया था कि महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच करीब 72 लाख वोट बढ़े हैं।

उत्तर मुंबई में फिटनेस और सामुदायिक एकता का भव्य उत्सव

मुंबई, एजेंसी। उत्तर मुंबई में खेल और फिटनेस का महापर्व सांसद खेल महोत्सव 2025 की तैयारियां जोर–शोर से चल रही हैं। यह आयोजन केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री तथा उत्तर मुंबई के सांसद पीयूष गोयल की

पहल पर स्थानीय विधायकों के सक्रिय सहयोग से किया जा रहा है। महोत्सव का भव्य उद्घाटन समारोह 2 नवंबर को शाम 4:30 बजे से स्व. प्रमोद महाजन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बोरिवली (पश्चिम) में आयोजित किया जाएगा। विभिन्न खेल स्पर्धाएं पूरा नवंबर महीना उत्तर मुंबई संसदीय क्षेत्र के विभिन्न स्थलों पर चलेंगी। यह महोत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया और खेलो इंडिया अभियानों से प्रेरित है, जिनका उद्देश्य नागरिकों में फिटनेस, स्वास्थ्य और खेल भावना को बढ़ावा देना है। उद्घाटन दिवस पर करीब 500 खिलाड़ी कबड्डी, खो–खो, मलखंब, कुश्ती, बॉडीबिल्डिंग, मर्दानी खेल, फुटबॉल और जोशपूर्ण ढोल–ताशा जैसे लगभग 10 खेलों में भाग लेंगे। इस अवसर पर 5000 से अधिक खेलप्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। युवाओं और वयस्कों में फिटनेस, टीमवर्क और सामाजिक एकता की भावना को बढ़ाना है। यह आयोजन पारंपरिक और आधुनिक दोनों प्रकार के खेलों का अद्भुत संगम होगा, जिसमें गृहिणियों, छात्रों और वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी आयु वर्ग के लोग भाग लेंगे। उत्तर मुंबई के सभी नगर वार्डों और विधानसभा क्षेत्रों में तैयारियां जोरों पर हैं। 10 अक्टूबर 2025 को शुरू हुए ऑनलाइन पंजीकरण को नागरिकों का उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिल रहा है।

राहुल गांधी ने चक्रवात मोंथा से आंध्र प्रदेश में हुई तबाही पर जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। चक्रवात मोंथा ने आंध्र प्रदेश में भारी तबाही मचाई है। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मोंथा से हुई तबाही पर चिंता जताई है। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकार से राहत कार्य तेज करने की अपील भी की है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आंध्र प्रदेश में चक्रवात मोंथा से हुई तबाही ने कई जिलों में भारी मुश्किलें पैदा कर दी हैं। मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों, घरों और आजीविका को खो दिया है। यह देखकर बहुत दुख होता है कि हमारे किसान, जिन्होंने महीनों तक अथक परिश्रम किया, रातोंरात अपनी पूरी फसल बर्बाद कर बैठे। आंध्र प्रदेश में कांग्रेस पार्टी जमीनी स्तर पर लोगों की बात सुन रही है और नुकसान का आकलन कर रही है। हम राज्य और केंद्र सरकार दोनों से तुरंत कार्रवाई करने का आग्रह करते हैंकृतबाही का पैमाना तत्काल और सहानुभूतिपूर्ण कार्रवाई की मांग करता है। इससे पहले आंध्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने लिखा, चक्रवात मोंथा राज्य के किसानों के लिए एक बड़ी आपदा है। मेहनत से उगाई गई सारी फसलें नष्ट हो गई हैं। आज हमने कृष्णा जिले के बंटूमिल्ली मंडल केंद्र का दौरा किया, फसल क्षति का निरीक्षण किया और किसानों से नुकसान पर चर्चा की। उन्होंने मुआवजे की मांग करते हुए लिखा, मोंथा के प्रभाव से अकेले बंटूमिल्ली मंडल में लगभग 5 हजार एकड़ धान की फसल जलमग्न होकर नष्ट हो गई। अगर किसान प्रति एकड़ लगभग 35 हजार का निवेश करता है तो चक्रवात ने फसल को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। यह देखा गया है कि राज्य भर के किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में नुकसान बहुत बड़ा हुआ है। किसानों ने दुख व्यक्त किया है कि अभी तक एक भी अधिकारी उनके खेतों में नहीं आया है। अगर लगभग 22 लाख एकड़ में फसल बर्बाद हुई है, और नुकसान लगभग 20 हजार करोड़ है।

बिहार में राहुल गांधी की यात्रा का असर बरकरार - अशोक गहलोत

जयपुर, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव पर कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि बिहार में राहुल गांधी की यात्रा का असर आज भी महसूस किया जा सकता है। पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं उन्होंने कहा कि एक सर्वेक्षण के अनुसार तेजस्वी यादव सीएम चेहरे के तौर पर नीतीश कुमार से दोगुने लोकप्रिय हैं और प्रशांत किशोर से भी आगे हैं। वहां चुनाव बहुत प्रभावी ढंग से लड़ा जा रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव पर कांग्रेस नेता अशोक गहलोत का कहना है कि आज बिहार में माहौल महागठबंधन के पक्ष में है। नीतीश कुमार कभी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार थे और आज उनकी स्थिति ऐसी है कि भाजपा उनके चेहरे का इस्तेमाल जनता को भ्रमित करने के लिए वोट पाने के लिए कर रही है। इसीलिए कल घोषणापत्र लॉन्च के समय नीतीश कुमार केवल 26 सेकंड के लिए रुके और चले गए। राजस्थान अंता उपचुनाव पर कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा

कि अंता उपचुनाव अच्छा होगा, और हमारा उम्मीदवार मजबूत है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर ईसीआई की घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि चुनाव आयोग को सभी राजनीतिक दलों से परामर्श करना चाहिए था, चर्चा करनी चाहिए थी और उनका सहयोग लेना चाहिए था। 20 साल पहले भी, जब एसआईआर आयोजित किया गया था, तो प्रक्रिया सुचारू रूप से हुई थी, कोई आरोप नहीं लगाया गया था, न ही कोई संदेह पैदा हुआ था। लेकिन इस बार, उन्होंने एकतरफा दृष्टिकोण अपनाया है। गहलोत ने सम्राट चौधरी पर निशाना साधते हुए कहा कि 50 हजार करोड़ के निवेश की बात करना सिर्फ एक कल्पना है। क्या कोई एमओयू साइन हुआ है? यह आंकड़ा हवा में उछाला गया है ताकि जनता को भ्रमित किया जा सके। उन्होंने कहा कि एनडीए का पूरा अभियान झूठ और दिखावे पर आधारित है। गहलोत ने सवाल उठाया कि जब चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जा रहा है, तो आखिर मेनिफेस्टो जारी करने की जिम्मेदारी उन्हें क्यों नहीं दी गई? क्या वह अब ऐसी स्थिति में नहीं हैं कि जनता के सामने आकर घोषणापत्र पढ़ सकें? महागठबंधन के वादों को लेकर गहलोत ने कहा।

सौरभ भारद्वाज का सरकार पर हमला, प्रदूषण के आंकड़े फर्जी तरीके से कम दिखाने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इसी बीच आम आदमी पार्टी (आप) ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है। श्आपश के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि सरकार प्रदूषण के वास्तविक आंकड़े छिपाने और एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) के स्तर को कृत्रिम रूप से कम दिखाने के लिए फर्जीवाड़ा कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की यह हरकत दिल्लीवासियों की सेहत के साथ खिलवाड़ के बराबर है। सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी करते हुए बताया कि जहांगीरपुरी स्थित एक्यूआई मॉनिटरिंग स्टेशन के आसपास लगातार पानी का छिड़काव किया जा रहा है ताकि प्रदूषण का स्तर कम दिखाई दे। उन्होंने कहा, "दिल्ली में सड़कों या पेड़ों पर कहीं भी पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा, लेकिन सरकार ने सारी मशीनें एक्यूआई स्टेशनों के आसपास लगा दी हैं ताकि वहां की हवा साफ दिखे और आंकड़े कम दर्ज हों।" उन्होंने आगे कहा कि यह फर्जीवाड़ा नया नहीं है। इससे पहले आईएसबीटी

मॉनिटरिंग स्टेशन पर भी इसी तरह के तरीकों से प्रदूषण के आंकड़े प्रभावित करने की कोशिश की गई थी।

संपादकीय

घटनाओं से नहीं ले पा रहे सबक

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में एकादशी पर भगदड़ मचने से दस श्रद्धालुओं की मौत हो गई। मंदिर में प्रवेश और निकास का रास्ता संकरा होने के कारण भीड़ का दबाव बढ़ा और लोहे की रॉड गिरने से भगदड़ मच गई। भीड़ प्रबंधन के अभाव में यह हादसा हुआ। मुख्यमंत्री से लेकर राष्ट्रपति तक ने दुख जताया, लेकिन भीड़ प्रबंधन के ठोस उपायों की आवश्यकता है, खासकर धार्मिक स्थलों पर, जहाँ आस्था के आवेग में संयम की कमी दिखती है।

आस्था के आवेग में संयम की कमी

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में एकादशी के अवसर पर मची भगदड़ से करीब दस श्रद्धालुओं की मौत एक बार और यह बता रही है कि इस तरह की घटनाओं से कहीं कोई सबक नहीं सीखा जा रहा है। यह तब है, जब इस तरह की घटनाओं का सिलसिला कायम है और इसी वर्ष भगदड़ की कई घटनाएं धार्मिक स्थलों में भी हो चुकी हैं। लघु तिरुपति कहे जाने वाले वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगदड़ इसलिए मची, क्योंकि मंदिर में जाने–आने का एक ही रास्ता था और वह भी संकरा था। यहां स्थिति तब बिगड़ी, जब श्रद्धालुओं की भीड़ के दबाव में मंदिर की सीढ़ियों में लगी लोहे की एक राड गिर गई। इससे अफरातफरी फैली और लोगों ने एक–दूसरे को कुचल दिया। इस हादसे को इसलिए नहीं रोका जा सका, क्योंकि श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के कोई ठोस उपाय नहीं थे। मंदिर में भगदड़ से मौतों की खबर आते ही शोक संवेदनाओं का तांता लग गया और मुख्यमंत्री से लेकर राष्ट्रपति तक ने दुख प्रकट किया। यह स्वाभाविक तो है, लेकिन पर्याप्त नहीं। किसी को इसकी चिंता करनी चाहिए कि जिस भी स्थल पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हों, वहां भीड़ प्रबंधन के पर्याप्त और ठोस उपाय किए जाएं। कम से कम धार्मिक–सांस्कृतिक स्थलों में तो ऐसा अनिवार्य रूप से होना चाहिए, क्योंकि ऐसे स्थानों पर आस्था के आवेग के आगे संयम का अभाव दिख जाता है। ऐसा होना नहीं चाहिए, क्योंकि श्रद्धा अनुशासन और संयम की मांग करती है। यह मांग पूरी हो, इसे मठ–मंदिरों के प्रबंधकों को भी सुनिश्चित करना चाहिए और स्थानीय प्रशासन को भी। भगदड़ का गवाह बने वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में न तो मंदिर के आयोजकों ने भीड़ प्रबंधन के कोई कारगर उपाय किए और न ही स्थानीय प्रशासन ने। ऐसा तब हुआ, जब आंध्र प्रदेश इसी वर्ष मंदिरों में भगदड़ की दो घटनाओं से दो–चार हो चुका है। स्थानीय प्रशासन यह कहकर कर्तव्य की इतिश्री नहीं कर सकता कि मंदिर का प्रबंधन निजी हाथों में था। उसे यह पता होना चाहिए था कि विशेष अवसरों पर इस मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। तथ्य यह भी है कि भगदड़ उन धार्मिक स्थलों में भी मचती रहती है, जिनका संचालन प्रशासन की ओर से किया जाता है। कई बार तो पुलिस की उपस्थिति में भी मंदिरों में भगदड़ मची है और उसमें लोगों की जान गई हैं। चूंकि भगदड़ की घटनाएं देश की बदनामी भी कराती हैं, इसलिए उन्हें रोकने के कुछ नए उपाय करने होंगे। इसलिए और भी, क्योंकि हाल की भगदड़ की घटनाओं से यह साफ है कि अपने देश में भीड़ प्रबंधन के जो तौर–तरीके अपनाए जा रहे हैं, वे निष्प्रभावी सिद्ध हो रहे हैं। वैसे भीड़ प्रबंधन के नए उपाय तभी प्रभावी होंगे, जब लोग भी संयम का परिचय देंगे।

देश के विकास को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाना

नीरज

हमें अपने खुद के विकास से ज्यादा समूचे देश के विकास को आगे बढ़ाने के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनी चाहिए, लेकिन वआज स्वार्थीपन इस कदर हावी है कि हमें अपनी जेब भरने के सिवा कुछ सूझता ही नहीं है,इसीलिए हम अंधे होकर प्राकृतिक दोहन लगातार कराते जा रहे हैं। इसके दुष्परिणामों को हम कई प्राकृतिक त्रासदियों के रूप में देख चुके हैं। कमाई के और भी बहुत से साधन हैं,जिन्हें अपनाकर मनुष्य सहभागिता के साथ,अपना और देश के विकास में कारगर एवं महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर ही सकता है, साथ ही आदमीयता को भी पा सकता है श्यदि मनुष्य हो तो स्वदेश के अमन बनो तुम। हमें अपने खुद के विकास से ज्यादा समूचे देश के विकास को आगे बढ़ाने के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनी चाहिए, लेकिन वआज स्वार्थीपन इस कदर हावी है कि हमें अपनी जेब भरने के सिवा कुछ सूझता ही नहीं है,इसीलिए हम अंधे होकर प्राकृतिक दोहन लगातार कराते जा रहे हैं। इसके दुष्परिणामों को हम कई प्राकृतिक त्रासदियों के रूप में देख चुके हैं। कमाई के और भी बहुत से साधन हैं,जिन्हें अपनाकर मनुष्य सहभागिता के साथ,अपना और देश के विकास में कारगर एवं महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर ही सकता है य साथ ही आदमीयता को भी पा सकता है श्यदि मनुष्य हो तो स्वदेश के अमन बनो तुम।

जिन्होंने भी रेल मार्ग द्वारा दिल्ली से बॉदा की तरफ यात्रा की होगी, उन्हें इसका अहसास हो गया होगा कि केन नदी में बने पुल से ही बॉदा के आने की पूर्व सूचना मिल जाती है। हिन्दी के प्रगतिशील लेखक केदारनाथ अग्रवाल को केन नदी से बेहद आत्मीय लगाव था। आज केन का अस्तित्व संकट में है। यहॉ बालू माफिया सरकारी तंत्र के साथ मिल कर अपने फायदे के लिये, केन की सौंदर्यता के साथ,उसके अस्तित्व को नष्ट करने में तुले हुए हैं। केन केदार के तन–मन में इस कदर रची बसी हुई थी कि वह कभी रेत में बैठकर उसके तेज धार को घंटों निहारते थे,तो कभी उसकी उदासी देखकर घर लौट जाते। केदार का केन चित्रण यथास्थिति से संघर्ष का चित्रण है। एक दिन जब मैं केन किनारे बैठा केन को निहार रहा था तो ये महसूस किया कि आज नदी बिल्कुल उदास थी तब यह एहसास हुआ कि बसंती हवा का रंग पहले से कुछ बदला हुआ है। आज वही केन अपने अस्तित्व की रक्षा के लिये अकेले जददोजहद कर रही है। अब यहॉ न तो महुआ की थपाथप सुनाई देती है, न आम को कोई झकोरता, और न ही कान में कू सुनाई देती। चारों तरफ बस खामोश वीरानी है। यदि कुछ सुनाई देता भी है तो दबी एवं घुटती केन की सिसकती आवाज। जिसे भद्रजन अब तक नहीं सुन पाये। मुझे बॉदावासी होने पर गर्व है,लेकिन साथ शर्म भी आती हैय क्योंकि श्यह है मेरा गॉव, यहॉ की कुंठित मति है। अनुशासन से हीन,यहॉ की जीवन गति है। फिर भी कुंठित मति के मारे,भद्रजन हारे।श् ऐसे हारकर बैठने से केन को नहीं बचाया जा सकता। जिस नदी का पानी पहले अपनी कर्मठता के बल पर चट्टानी तट तोडता था तेज धार का कर्मठ पानी। चट्टानों के उपर चढकर। मार रहा है घूंसे कसकर। तोड़ रहा है तट चटटानी। वही कर्मठ पानी समाज के धन लोलुप एवं स्वार्थी चरित्र को देखकर घूंसे मारना भूल गया है। केदार बाबू केन किनारे पल्थी मारे यदि आज केन की हालत देख रहे होंगे तो हम सब को कोस रहे होंगे। सर्वविदित है कि सरकारी तंत्र इस कमाई में बराबर की साझेदार है। तभी वह भ्रष्टाचार के चश्में को लगाकर ऑखे खराब होने का बहाना करता है। केदारनाथ अग्रवाल सरकारी तंत्र और माफियाओं के गठजोड को आज से साठ सत्तर साल पहले ही पहचान गये थे। तभी वह कहते है कि श्चोरी करो चढ़ाओ पैसा, पूजो तुम भैरव का भैसा। भैसा है थाने का ऐसा,कोई देखा सुना ऐसा। डाका मारो,कतल कराओ,काटो खेत,अनाज चुराओ।थाने जाओ झुक जाओ,भैसे को छुकर बच जाओ।श् हमारी और अपनी विवशता पर श्केन हमारी तड़प रही हैश् और साथ तड़प रही है केदार बाबू की आत्मा। आर्थिक लाभ के एवज में भूमंडलीकरण के इस दौर में सामाजिकता और मानवीयता ने अपने मूल्य खो दिए हैं मैं उसे खोजता हूँ। जो आदमी है और अब भी आदमी है। तबाह हो कर भी आदमी है। चरित्र पर खडा देवदार की तरह बड़ा।श् यह वही बॉदा है, जहॉ श्रम के सौंदर्य को केदार बाबू ने सही ढंग से पहचाना था छोटे हॉथ सवेरा होते,लाल कमल से खिल जाते हैं। करनी करने को उत्सुक हो,धूप हवा में हिल उठते हैं। लेकिन आज का मंत्र यह है कि समय और मेहनत कम और कमाई ज्यादायइसके लिये भले ही हम समाज का कितना ही नुकसान करें। वैसे नैतिकता की रेखा कहीं अनन्त में नहीं होती,बल्कि वह इसी सामाजिक ढॉचे में छिपी होती है। उसको पहचानने की मति उत्तर आधुनिक युग में कुंठित हो गई है। कानून व्यवस्था और न्याय व्यवस्था के साथ इन माफियाओं की सांठ–गांठ से केन के अस्तित्व को बचाना मुंगेरी लाल के हसीन सपने जैसा है क्योंकि आज श्सच के पॉव उखडते, झूठ के जब झंडे गड़ते। सच जीते तो कैसे, न्याय मिले तो कैसे ? हमें अपने खुद के विकास से ज्यादा समूचे देश के विकास को आगे बढ़ाने के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनी चाहिए, लेकिन वआज स्वार्थीपन इस कदर हावी है कि हमें अपनी जेब भरने के सिवा कुछ सूझता ही नहीं है,इसीलिए हम अंधे होकर प्राकृतिक दोहन लगातार कराते जा रहे हैं। इसके दुष्परिणामों को हम कई प्राकृतिक त्रासदियों के रूप में देख चुके हैं। कमाई के और भी बहुत से साधन हैं,जिन्हें अपनाकर मनुष्य सहभागिता के साथ, अपना और देश के विकास में कारगर एवं महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर ही सकता है य साथ ही आदमीयता को भी पा सकता है यदि मनुष्य हो तो स्वदेश के अमन बनो तुम। कोटि जनों के साथ जियो तुम। खेत जोत कर अन्न उगाओ। रोटी खाओ और खिलाओ। यदि हम सभी मेहनत करके कमाने वाला रास्ता अपना लें तो केदार बाबू की धरोहर केन नदी को बचाया जा सकता है। कहीं ऐसा न हो कि हम देखते रह जाएं और केन नदी का अस्तित्व ही खत्म हो जाए। तब हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों को बांदा की शान केन नदी के किस्से ही सुनाने पड़ेंगे। जब आने वाली पीढ़ियां हमसे सवाल करेंगी कि हमने अपनी इस प्यारी नदी को बचाने के लिए क्यों नहीं कुछ किया ? तब हमें उनके सवालों से बचने के लिए केन नदी का वह किनारा भी नहीं मिलेगा,जहां हम अपनी परेशानियों को भुलाने के लिए आकर बैठते थे। यदि ऐसे ही केन का दोहान होता रहा तो शायद ही अब बांदा में श्बसंती हवाश् के उधमी रूप और केन के कर्मठ पानी को फिर से देख पायेंगे।

विश्व साहित्य का आकाश

विजय

कुछ किताबें आपके साथ लंबे समय तक सफर करती हैं, 'हाईपेशिया' उनमें से एक ऐसी ही किताब है। मात्र 225 पन्नों की एडवर्ड जे. वाट्स की किताब 'हाईपेशियाः द लाइफ एंड लेजेंड ऑफ एन एंसियेंट फिलॉसफर' (ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी प्रेस) एक लंबे शोध का परिणाम है। किताब के अंतिम 60 पन्नों में दिए संदर्भ इसे आधिकारिक बनाते हैं। सत्य बोलने की सजा सुकरात को भुगतनी पड़ी, सत्य का पक्ष लेने के लिए गैलेलियो को नहीं बक्शा गया, तो एक औरत भला कैसे माफ की जा सकती है। मिले कितनी भी सजा, सत्य कहने वाले हर युग में हुए हैं, हर युग में होते रहेंगे। फिर औरत तो हर युग में सताई जाती है, इसमें कौन–सी नई बात है। ऐसी ही एक औरत हुई चौथी सदी में, रोमन–मिश्र में। गैलेलियो से काफी पहले। उसका नाम है, हाईपेशिया। पिता की लाड़ली हाईपेशिया अपने पिता थिओन की शिष्या है, उनके यहां आने वाले अन्य छात्रों की गुरु भी। यह प्रतिभाशालिनी युवती एक साथ कई विषयों में पारंगत थी, शोध और तर्क उसके अस्त्र–शस्त्र थे। हाईपेशिया का पिता थिओन स्वयं प्रकांड विद्वान, कई विषयों का ज्ञाता और कुशल शिक्षक थे। अपने समय का एक सबसे बड़ा गणितज्ञ। मगर वह उनसे भी बड़ी विदुषी है।

ज्ञान–विज्ञान की खोज और शिक्षण

हाईपेशिया किसी धर्म विशेष में विश्वास नहीं रखती है, उसका एक ही धर्म है, ज्ञान–विज्ञान की खोज और शिक्षण। यहां तक कि जब बाहर सब कुछ जल रहा है, वह अपने शोध में व्यस्त है। उसके लिए तर्क–विचार ही उसका जीवन है। बाहर सब एक–दूसरे के दुश्मन बने हुए हैं, मार–काट मची हुई है, हाईपेशिया नक्षत्र और ग्रहों की गति तथा सूर्य–पृथ्वी की गति के अध्ययन में रत है। वैज्ञानिक, गणितज्ञ, दार्शनिक, आकाशीय पिंडों का अध्ययन करने वाली हाईपेशिया को उसके छात्र बहुत सम्मान देते हैं। कई छात्र उसकी आराधना करते, उससे प्रेम भी करते, पर हिम्मत न है, बोल पाने की। उसका रुतबा ही कुछ ऐसा है। उसके शिष्यों में स्वतंत्र नागरिक और गुलाम दोनों शामिल हैं। जीवन को ज्ञान के प्रति समर्पित हाईपेशिया के तीन शिष्य खास उसके मुरीद हैं। एक गुलाम और दो स्वतंत्र नागरिक– साइनेसियुस और ओरेस्टस तीनों उसे चाहते हैं, तीनों के मन में उसे पाने की लालसा है। युवा गुलाम और वृद्ध गुलाम एसपासियस दोनों हाईपेशिया को उसके अध्ययन–शोध–शिक्षण में सहायता देते हैं। हाईपेशिया के मन में यौनिकता को लेकर अगर कोई भाव है, तो यही कि उसके पेशे, उसके जीवन में संभोग का कोई स्थान नहीं है। वह ओरेस्टस के प्रस्ताव को अभद्र तरीके से ठुकरा देती है। प्रश्न उठता है, क्यों उसके साथ ऐसा अमानवीय व्यवहार किया गया? क्या उसकी प्रतिभा से वास्तव में धर्म को खतरा था? उसकी सुंदरता को हासिल न कर पाने की सजा उसे दी गई? ओरेस्टस सोचता है कि वह ईसाइयों को मार भगाएगा, उसे मालूम नहीं था कि वे टिड्डी दल की तरह चले आ रहे हैं। उसके बाकी शिष्य उसे क्यों न बचा सके? उसके शिष्य विशेष रूप से स्वतंत्र नागरिक शिष्य, उसकी तरह साहसी क्यों न हुए? उसके शिष्यों ने ईसाई धर्म क्यों स्वीकार कर लिया? भय से? अपने मत पर पूर्ण विश्वास न होने के कारण? या फिर पद–सत्ता लोभ में आकर? शिष्य उसकी तरह ज्ञान–विज्ञान को ले कर जुनूनी क्यों न हुए? ओरेस्टस ईसाई बन जाता है, आगे चल कर एलेक्जेंड्रिया का प्रीफेक्ट बनता है। चाह कर भी पोप के कोप से हाईपेशिया को नहीं बचा पाता है। ईसाई धर्म नया–नया उदय हुआ है और तीसरी ईसवी में वे वह सब कुछ नष्ट कर रहे हैं, जो उन्हें अपने अनुकूल नहीं लग रहा है।

.... विविध/स्वास्थ्य ....

देव दीपावली पर वाराणसी नहीं जा पा रहे हैं तो इन जगहों का नजारा भी है देखने योग्य

कार्तिक पूर्णिमा के दिन भारत में देव दीपावली मनाई जाती है, जिसे वाराणसी में खास रूप से बड़े उत्साह और भव्यता के साथ मनाया जाता है। गंगा घाटों पर लाखों दीयों की रोशनी शहर को जगमगा देती है, जिसकी वजह से ये नजारा देशभर में प्रसिद्ध है। इसी नजारों को देखने के लिए हर साल हजारों श्रद्धालु और पर्यटक इस धार्मिक और सांस्कृतिक अनुभव को देखने के लिए वाराणसी आते हैं। इस मौके पर वाराणसी में काफी भीड़ होती है, ऐसे में बहुत से लोग यहां जाने से बचते भी हैं। अगर आप भी किसी वजह से देव दीपावली के लिए वाराणसी नहीं जा पा रही हैं तो भारत में कई और जगहें भी हैं जहां देव दीपावली का उत्सव और रोशनी का दृश्य अत्यंत आकर्षक होता है। इन स्थानों पर न केवल दीयों की सजावट देखने लायक होती है, बल्कि मेले, सांस्कृतिक कार्यक्रम और मंदिरों की भव्य सजावट भी दिल को छू लेती है। इस आर्टिकल में हम आपको भारत की उन जगहों के बारे में बताएंगे जहां आप दीपावली का आनंद और भव्य दृश्य देख सकते हैं।

उज्जैन

उज्जैन में कार्तिक पूर्णिमा के दिन देव दीपावली का उत्सव बेहद भव्य रूप से मनाया जाता है। यहां महाकालेश्वर मंदिर के परिसर और आसपास के घाटों को हजारों दीयों और रंग–बिरंगी लाइट्स से सजाया जाता है। श्रद्धालु विशेष पूजा और आरती में भाग लेते हैं। महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग पर यह त्योहार अत्यंत धार्मिक और सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है।

प्रयागराज

प्रयागराज में संगम स्थल पर देव दीपावली का आयोजन बेहद भव्य होता है। गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर घाटों को लाखों दीयों से सजाया जाता है। श्रद्धालु दीप जलाकर आरती में हिस्सा लेते हैं और धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं। ये शहर अपने ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के कारण इस दिन आकर्षक दृश्य प्रस्तुत करता है।

हरिद्वार

हरिद्वार में कार्तिक पूर्णिमा पर देव दीपावली का उत्सव गंगा घाटों पर मनाया जाता है। हर–की–पौड़ी और आसपास के घाटों को लाखों दीपों से सजाया जाता है। श्रद्धालु आरती में भाग लेते हैं और गंगा में दीप जलाकर अपने मनोकामनाओं की पूर्ति की कामना करते हैं। ये दृश्य भक्तों और पर्यटकों के लिए बेहद रोमांचक होता है।

अयोध्या

अयोध्या में देव दीपावली के दिन राम जन्मभूमि और अन्य प्रमुख मंदिरों को दीपों से सजाया जाता है। शहर की गलियां, बाजार और मंदिर भव्य रोशनी में नहाए रहते हैं। विशेष पूजा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और भव्य झांकियाँ यहां के उत्सव को दर्शनीय बनाती हैं।

चित्रकूट

चित्रकूट में कार्तिक पूर्णिमा के दिन देव दीपावली का उत्सव गंगा और मंदाकिनी नदी के किनारे बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। घाटों को दीयों से सजाया जाता है

और श्रद्धालु दीप जलाकर आरती में भाग लेते हैं। ये धार्मिक और प्राकृतिक वातावरण का बेहतरीन मिश्रण प्रस्तुत करता है।

तैयार करें ये पांच तरह के लड्डू ताकि न हो तबियत खराब

सर्दियों का मौसम आते ही शरीर को अतिरिक्त पोषण और गर्माहट की जरूरत होती है। इस मौसम में हमारी इम्यूनिटी अक्सर कमजोर पड़ जाती है, जिससे सर्दी–जुकाम जल्दी हो सकती है। ऐसे में घर पर बने देसी लड्डू न केवल स्वाद में लाजवाब होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद हैं। पारंपरिक तरीके से बनाए गए लड्डू शरीर को एनर्जी, गर्मी और जरूरी न्यूट्रिएंट्स देते हैं। सर्दी के मौसम में कुछ खास तरह के लड्डू पाचन को बेहतर बनाते हैं, जोड़ों के दर्द से राहत देते हैं और शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं। अगर आप ठंड में स्वस्थ और एक्टिव रहना चाहते हैं, तो अपनी डाइट में इन देसी लड्डुओं को जरूर शामिल करें। आइए जानते हैं ऐसे पांच तरह के लड्डू जो सर्दियों में आपकी तबीयत खराब होने से बचा सकते हैं।

तिल–गुड़ के लड्डू

तिल और गुड़ का मेल सर्दियों में सबसे बेहतरीन माना जाता है। ये शरीर को गर्म रखता है और ब्लड में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाता है। इसमें कैल्शियम और आयरन भरपूर होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है।

गोंद के लड्डू

गोंद से बने लड्डू जोड़ों के दर्द और ठंड से होने वाली कमजोरी में फायदेमंद होते हैं। इसमें घी, मेवा और गेहूं का आटा मिलाकर बनाया जाता है जो एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है।

मेथी के लड्डू

मेथी के लड्डू सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखते हैं और ब्लड शुगर को नियंत्रित करते हैं। महिलाओं के लिए ये खासतौर पर फायदेमंद माने जाते हैं क्योंकि ये हॉर्मोनल बैलेंस को भी सपोर्ट करते हैं।

मूंगफली के लड्डू

मूंगफली प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसके लड्डू ठंड के मौसम में ऊर्जा प्रदान करते हैं और इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। गुड़ के साथ मिलाकर खाने से ये स्वादिष्ट और पौष्टिक दोनों बन जाते हैं।

सूखे मेवे के लड्डू

बादाम, काजू, अखरोट, किशमिश और खजूर से बने लड्डू विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होते हैं। ये शरीर को ताकत देते हैं और स्किन ग्लोइंग बनाए रखते हैं। तो आप चाहें तो इसे भी बनाकर तैयार कर सकते हैं।

लंग्स कैंसर में सबसे पहले दिखते हैं ये लक्षण, समय पर हो गई पहचान तो बच सकती है जान

फेफड़ों का कैंसर, दुनियाभर में बढ़ती गंभीर और जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। अमेरिकन कैंसर सोसाइटी का अनुमान है कि हर साल 2.38 लाख से अधिक लोगों में फेफड़ों के कैंसर का निदान होता है, 50–60 हजार लोगों की इस कारण से मौत हो जाती है। आमतौर पर माना जाता है कि धूम्रपान करने वालों में इस कैंसर का जोखिम अधिक होता है, पर यह उन लोगों को भी प्रभावित कर सकता है जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया है। धूम्रपान फेफड़ों को लाइन करने वाली कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाता है। भारत में इसका जोखिम अधिक देखा गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, फेफड़ों के कैंसर से मृत्यु का प्रमुख कारण, इस समस्या का समय रहते निदान न हो पाना है। अधिकांश मामलों में फेफड़ों के कैंसर के शुरुआती लक्षण नहीं दिखाते हैं, पर कुछ संकेतों पर विशेष ध्यान देते रहने की आवश्यकता होती है। समय पर निदान और इलाज हो जाने पर जान बचाई जा सकती है।

आइए जानते हैं कि सभी लोगों को किस प्रकार के लक्षणों पर गंभीरता से ध्यान देते रहने की आवश्यकता है?

जानलेवा होता है फेफड़ों का कैंसर

अमेरिकन कैंसर सोसायटी के मुताबिक फेफड़ों का कैंसर काफी गंभीर होता है, जिसको लेकर सभी लोगों को विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। ज्यादातर मामलों में फेफड़े के कैंसर तब तक कोई लक्षण पैदा नहीं करते जब तक कि वे फैल न जाएं। फेफड़ों के कैंसर के कई लक्षण अन्य बीमारियों से मिलते–जुलते भी हो सकते हैं, यही कारण है कि लोगों में समय रहते इसका निदान नहीं हो पाता है। हालांकि अपने जोखिम कारकों को समझते हुए सभी लोगों को इससे बचाव करते रहना जरूरी है।

ऐसे शुरुआती संकेतों पर गंभीरता से दें ध्यान

डॉक्टर कहते हैं, यदि आपको लंबे समय से कुछ प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं बनी हुई हैं और सामान्य उपचार से इसमें लाभ नहीं मिल रहा है तो इस बारे में अलर्ट हो जाने की आवश्यकता है।

खांसी जो ठीक न हो रही हो या इसकी समस्या बढ़ रही हो।

खांसी से खून आने की दिक्कत।

सीने में दर्द जो अक्सर गहरी सांस लेने, खांसने या हंसने से बढ़ जाता है।

आवाज में कर्कशता।

अस्पष्टीकृत वजन घटाने की समस्या।

सांस लेने में कठिनाई।

थकान या कमजोरी महसूस होना।

ब्रोंकाइटिस और निमोनिया जैसे संक्रमण जो ठीक नहीं होते हैं या बार–बार हो जाते हैं।

कैंसर बढ़ने पर होने वाले लक्षण

यदि फेफड़ों का कैंसर शरीर के अन्य भागों में फैलता है, तो इस स्थिति में आपको कई गंभीर समस्याओं का अनुभव हो सकता है।

हड्डी में दर्द (जैसे पीठ या कूल्हों में दर्द)

तंत्रिका तंत्र की समस्या जैसे सिरदर्द, कमजोरी या हाथ या पैर की सुन्नता, चक्कर आना, संतुलन की समस्याएं।

त्वचा और आंखों में पीलापन बढ़ना।

लिम्फ नोड्स में सूजन।

बचाव के उपाय करना सभी के लिए जरूरी

फेफड़ों के कैंसर से बचाव करना सभी के लिए जरूरी है, भले ही आपमें इसकी फैमिली हिस्ट्री रही हो या नहीं। यह कैंसर किसी को भी हो सकता है, ऐसे में कुछ बातों का ध्यान रखते हुए इससे बचाव करते रहना बहुत आवश्यक है। धूम्रपान बिल्कुल न करें और सेकेंडहैंड धूम्रपान से बचें।

यदि आप धूम्रपान करने वाले व्यक्ति के साथ रहते हैं या काम करते हैं, तो इससे आपको भी खतरा हो सकता है। फलों और सब्जियों से भरपूर आहार लें और व्यायाम जरूर करें। कुछ प्रकार के योग–अभ्यास फेफड़ों को स्वस्थ रखने और इसकी कार्यक्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं।

पंचायत चुनाव के पहले एमएलसी चुनावों पर फोकस करेगी भाजपा, प्रबंधन के जरिए सभी सीटें जीतने का रखा लक्ष्य

लखनऊ, संवाददाता। भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने पार्टी के प्रदेश से लेकर जिला स्तरीय सभी पदाधिकारियों को शिक्षकख्नातक क्षेत्र के लिए होने वाले एमएलसी चुनाव में माइक्रो प्लानिंग के साथ जुटने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर मजबूत चुनाव प्रबंधन करने के साथ ही अधितम मतदाता बनाने और उनसे लगातार संवाद और संपर्क करने पर फोकस करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि एमएलसी का चुनाव जीतना पूरी तरह से प्रबंधन पर आधारित है, इसलिए किसी भी स्तर पर प्रबंधन में लापरवाही न बरती जाए। धर्मपाल रविवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में पदाधिकारियों के साथ शिक्षक/स्नातक एमएलसी चुनाव की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। एमएलसी निर्वाचन के लिए क्षेत्रवार समीक्षा करते हुए धर्मपाल सिंह ने क्षेत्र व जिला के संयोजकों, सहसंयोजको से संवाद करते हुए माइक्रो प्लानिंग का मंत्र भी दिया। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर माइक्रो प्लानिंग से चुनाव प्रबंधन करना होगा, ताकि संख्यात्मक तथा गुणात्मक दृष्टि से परिणाम हमारे अनुकूल हों। उन्होंने कहा कि वोटिंग वाले दिन अधिकतम लोगों का मतदान कराने की रणनीति पर काम करने की भी तैयारी होनी चाहिए। संगठन महामंत्री ने कहा कि बूथ स्तर पर पार्टी के कार्यकर्ताओं को मतदाता बनाने की जिम्मेदारी सौंपने के साथ ही हमें विचार–परिवार के साथ मिलकर काम करना है। प्रत्येक कार्यकर्ता को योग्यता और क्षमता के आधार पर जिम्मेदारी सौंपा जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश, क्षेत्र, जिला से लेकर विधानसभा, मंडल तथा बूथ स्तर तक सक्रियता, समन्वय तथा संवाद के साथ ही समीक्षा के फार्मूले पर काम करना है। शिक्षक–एमएलसी चुनाव के लिए विश्वविद्यालय, महाविद्यालय तथा विद्यालयों में पहुंचकर मतदाता बनाएं। कॉलेजो की सूची तैयार करके टीम वर्क से मतदाता बनाने में जुट जाएं। इस मौके पर एमएलसी चुनाव के प्रदेश संयोजक अमर पाल मौर्य ने विगत कार्यों का बिन्दुवार ब्यौरा प्रस्तुत किया। बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री संजय राय ने किया। इनके अलावा बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यपाल सिंह सैनी, त्रयम्बक त्रिपाठी, प्रदेश मंत्री शंकर गिरि व बसन्त त्यागी ने भी चुनाव प्रबंधन को लेकर अपने–अपने सुझाव दिए।

शंखनाद और डमरू की गूंज के साथ होगी आयोजन की शुरुआत

लखनऊ, संवाददाता। इस साल देव दीपावली (पांच नवंबर) पर काशी एक बार फिर प्रकाश, आस्था और संस्कृति के अनुपम संगम का साक्षी बनेगी। वाराणसी के घाटों पर देव दीपावली समितियों तथा कुण्डों और तालाबों पर स्थानीय समितियों द्वारा एक साथ लाखों दीप जलाए जाएंगे। पर्यटन विभाग तथा महोत्सव समिति, वाराणसी द्वारा 10 लाख से अधिक मिट्टी के दीपकों की व्यवस्था की गई है। गंगा के घाटों और उसके पार के तटों को सम्मिलित करते हुए दीपोत्सव कार्यक्रम के लिए कुल 20 सेक्टर बनाए गए हैं। इनमें प्रत्येक के लिए नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत शंखनाद और डमरू की गूंज से होगी। इस अवसर पर आयोजित शो में भगवान शिव–पार्वती विवाह का पवित्र दृश्य, भगवान विष्णु के चक्र पुष्करिणी कुंड की कथा, भगवान बुद्ध के धर्मोपदेश, संत कबीर और गोस्वामी तुलसीदास की भक्ति परंपरा, तथा आधुनिक युग में महामना मदन मोहन मालवीय द्वारा स्थापित काशी हिंदू विश्वविद्यालय की गौरवशाली यात्रा को आकर्षक दृश्यों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। यह पूरा शो काशी की आत्मा, उसकी परंपरा और आध्यात्मिकता को एक सूत्र में पिरोए होगा। देव दीपावली की शाम 25 मिनट का काशी–कथा 3–डी प्रोजेक्शन मैपिंग व लेजर शो का आयोजन किया जाएगा। यह शो काशी की दिव्यता, इतिहास, संस्कृति और अध्यात्म के संगम को जीवंत रूप में प्रस्तुत करेगा। इस प्रस्तुति में काशी के प्राचीन गौरव, गंगा की महिमा और भगवान विश्वनाथ की नगरी की आस्था को आधुनिक तकनीक के माध्यम से दर्शाया जाएगा। इसके अलावा 8 मिनट का विशेष लेजर शो भी होगा। इसी के साथ ही श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार के सामने रात आठ बजे से ग्रीन आतिशबाजी भी की जाएगी।जो पर्यावरण के अनुकूल होगी।

संक्षिप्त खबरें

करणी सेना प्रदेश में होगी सक्रिय, 2027 के चुनावों में 100 प्रत्याशी उतारने का ऐलान

लखनऊ, संवाददाता। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजपाल अम्मू ने कहा कि करणी सेना 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रदेश की 100 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। उन्होंने प्रदेश सरकार से जिन्ना के सभी प्रतीक चिह्नों को हटवाने की मांग भी की। सूरजपाल अम्मू यहां दो दिवसीय कोर कमेटी की बैठक में भाग लेने के बाद प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ठीक काम कर रहे हैं, लेकिन केंद्र सरकार उनके कार्यों में हस्तक्षेप कर रही है, जो बंद होना चाहिए। उन्होंने प्रदेश सरकार से आर्थिक आधार पर मिल रहे 15 प्रतिशत आरक्षण की नीतियों को सरल करने और सरकारी योजनाओं के अंतर्गत पूर्व लाभार्थियों को मिल रहे आर्थिक आरक्षण को बंद करने की मांग की। अम्मू ने कहा कि देश के विभाजन के बाद बड़े स्तर पर प्रदेश में जनसांख्यिकीय बदलाव और धर्मांतरण हो रहा है। मुख्यमंत्री को इसका संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए। 30 जनवरी को करणी सेना अपने सातवें स्थापना दिवस पर विशाल रैली करेगी और चुनावी बिगुल फूंकेगी। इस मौके पर संदीप सिंघल, राखी गर्ग, श्वेताराज, बिदुषी सिंह आदि मौजूद रहे।

चक्रवात की वजह से प्रदेश में समय से पहले पड़ना शुरू हो जाएगा कोहरा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में मोंथा तूफान का असर छंटने के बाद मौसम में अचानक बदलाव नजर आया है। ज्यादातर जगहों पर दिन में गुनगुनी धूप होने और रात में हल्का पारा गिरने से मौसम अब सुहाना होने लगा है। मौसम विभाग का कहना है कि सोमवार से पूर्वी यूपी और तराई इलाकों में सुबह के वक्त धुंध और कोहरे का असर देखने को मिलेगा। कई जिलों में यह कोहरा आने वाले समय में बढ़ सकता है। अगले कुछ दिनों तक रात के पारे में हल्की गिरावट जारी रहेगी। हालांकि दिन के तापमान में कोई खास बदलाव के आसार नहीं हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि चार नवंबर यानी मंगलवार से यूपी के मौसम में एक नए बदलाव के संकेत हैं। एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, जिसके असर से प्रदेश के तराई व अन्य इलाकों में बदली छाने के संकेत हैं। हालांकि बारिश की संभावना न के बराबर है।

बोरे में भरकर नाले में फेंका गया महिला का शव

लखनऊ, संवाददाता। निगोहां के गौतमखेड़ा गांव के बाहर स्थित बांक नाले में शनिवार देर शाम महिला का शव बोरे में भरा मिला। पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से पहचान का प्रयास किया पर शिनाख्त नहीं हो सकी। शव कई दिन पुराना होने की वजह से सड़ चुका था। बोरे में शव के साथ घरेलू प्रेस, कपड़े, ईंट और पत्थर भी भरे थे। एसओ निगोहां अनुज तिवारी ने बताया कि शनिवार की शाम लगभग 6:30 बजे गौतमखेड़ा गांव के बाहर स्थित बांक नाले में चारवाहों ने एक बोरा उतराते देखा। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई।

शिक्षामित्रों का न बढ़ा मानदेय, न मिला तबादला, बेसिक शिक्षा विभाग जारी कर रहा आदेश पर आदेश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत 1.46 लाख शिक्षामित्रों को जहां मानदेय वृद्धि मामले में झटका लगा है। वहीं उनको गृह जनपद तैनाती भी नहीं की जा सकी है। इसे लेकर शिक्षामित्रों ने नाराजगी जताते हुए जल्द कार्यवाही की मांग की है। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ ने कहा है कि तीन जनवरी 2025 को तत्कालीन प्रमुख सचिव ने उनका समायोजन आदेश जारी किया था। इसके बाद विभाग की ओर से मांगे गए निर्देश के क्रम में 12 जून 2025 को भी शासन ने समायोजन प्रक्रिया करने का आदेश दिया। किंतु बेसिक शिक्षा विभाग इस पर कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है। इससे शिक्षामित्रों में नाराजगी है। संघ के प्रदेश महामंत्री सुशील कुमार ने मुख्यमंत्री व बेसिक शिक्षा मंत्री से कहा है कि आर्थिक संकट के चलते प्रतिदिन किसी न किसी जिले में शिक्षामित्र की असमय मौत हो रही है। आर्थिक समस्या के चलते वह उचित इलाज नहीं करा पा रहे हैं। इसके कारण सभी शिक्षामित्र अवसाद से ग्रस्त हैं। पांच सितंबर को मुख्यमंत्री द्वारा शिक्षामित्रों के मानदेय वृद्धि व कैशलेस योजना में शामिल किए जाने की घोषणा की गई। किंतु लगभग दो महीना बाद भी अभी तक इस संबंध में कोई आदेश नहीं जारी हुआ है। उल्टे मानदेय बढ़ाने के लिए बनाई समिति ने हाथ खड़े कर दिए हैं। मात्र 10 हजार मानदेय में वे अपने घर से 80 से 90 किलोमीटर दूर शिक्षण कार्य करने को मजबूर हैं। मानदेय बढ़ाने व समायोजन के संबंध में संगठन के पदाधिकारियों कई बार बेसिक शिक्षा मंत्री, प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा, महानिदेशक स्कूल शिक्षा व निदेशक बेसिक शिक्षा से मिलकर मांग चुके हैं। जल्द ही इस संबंध में कोई आदेश जारी नहीं हुआ तो संगठन बैठक कर अग्रिम कार्यवाही के लिए बाध्य होगा।

फार्मेसी में शुरू होंगे न्यू एज कोर्स... बाजार के अनुरूप तैयार होंगे छात्र

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के फार्मेसी संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों को बाजार की मांग अनुरूप तैयार करने के लिए कवायद तेज हो गई है। इस क्रम में फार्मेसी के डिग्री संस्थानों में न्यू एज कोर्स शुरू किए जाएंगे। वहीं, इस साल आई दिक्कत को देखते हुए शासन ने अगले साल से अगस्त में ही फार्मेसी का भी शैक्षिक सत्र शुरू करने के निर्देश दिए हैं। शासन ने इस बाबत दिशानिर्देश भी जारी कर दिया। प्राविधिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव नरेंद्र भूषण की ओर से जारी दिशा–निर्देश में कहा गया है कि फार्मेसी विधा में वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलाव के मद्देनजर रोजगार के अवसर मुहैया कराने के लिए बीफार्मा व एमफार्मा में नए कोर्स शुरू किए जाएंगे। इसके तहत फार्माकोगनॉमिक्स, बायोफार्मास्यूटिकल्स, क्लीनिकल फार्मेसी, फार्मास्यूटिकल बायोटेक्नोलॉजी, रेगुलेटरी अफेयर्स, फार्माकोलॉजी, फार्मेसी प्रैक्टिस, फार्माकोविजिलेंस आदि कोर्स प्राथमिकता पर शुरू किए जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया है कि फार्मेसी के शैक्षिक सत्र की शुरुआत हर साल अगस्त के पहले दूसरे सप्ताह में की जाएगी। वहीं, एकेटीयू कॉलेजों की संबद्धता की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन करेगा। नए संस्थान और नए पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए विश्वविद्यालय आवेदन लेकर स्क्रूटनी समिति का गठन करेगा। समिति से परीक्षण के बाद संस्थान का भौतिक निरीक्षण कराया जाएगा। जमीन आदि की जांच के लिए जिला प्रशासन का सहयोग लिया जाएगा। नए संस्थान खोलने व पुराने संस्थानों में नए पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए सभी प्रक्रिया पूरी कर विवि इसका प्रस्ताव शासन को देगा। शासन स्तर पर अनुमोदन के बाद आदेश जारी किए जाएंगे। जबकि संबद्धता विस्तार की विधिवत प्रक्रिया पूरी करने के बाद विवि अपने स्तर से ही आवश्यक निर्देश जारी कर सकेगा। अपर मुख्य सचिव ने सत्र नियमितीकरण पर जोर देते हुए कहा है कि संबद्धता के लिए आवेदन प्रक्रिया समय से शुरू की जाएगी।

अपनी रिटायरमेंट पार्टी में नर्तकियों के साथ जेई ने खूब ठुमके लगाए , रुपये लुटाए

गोरखपुर, संवाददाता। नगर निगम में सात साल चार महीने की सेवा पूरी करने के बाद रिटायर हुए जेई राजकुमार का कार्यकाल जितनी चर्चा में रहा, उससे अधिक चर्चा विदाई पार्टी में नर्तकियों के साथ उनके डांस की हो रही है। शहर के एक रिजॉर्ट में आयोजित इस भव्य पार्टी में जेई डांस के दौरान नर्तकियों को रुपये भी पकड़ा रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस पार्टी में उनकी पत्नी समेत कई और महिलाएं व नगर निगम के अफसर भी मौजूद थे। जेई राजकुमार को कुछ दिन पहले ही मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव और नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने आयुक्त सभागार में सादे समारोह में सम्मानपूर्वक विदा किया था।

संक्षिप्त खबरें

ग्लोबल पीओसीटी समिट 2025 में डा. लोकेन्द्र ने किया भारत का प्रतिनिधित्व

लखनऊ, संवाददाता। ग्वांगझोउ (चीन) में आयोजित ग्लोबल पीओसीटी समिट 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए विशेषज्ञ वक्ता के रूप में डॉ. लोकेन्द्र गुप्ता का चयन किया गया। मेदांता अस्पताल, लखनऊ के आपातकालीन चिकित्सा एवं ट्रॉमा के निदेशक डॉ. लोकेन्द्र गुप्ता ने चीन के ग्वांगझोउ शहर में आयोजित ग्लोबल पीओसीटी समिट 2025 में भारत और मेदांता का प्रतिनिधित्व करते हुए विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भाग लिया। यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन वॉन्डफो द्वारा आईएफसीसी के सहयोग से आयोजित किया गया था। डॉ. गुप्ता भारत से आमंत्रित मात्र दो विशेषज्ञ चिकित्सकों में से एक थे। एक एआईआईएमएस से और दूसरे मेदांता लखनऊ से। सम्मेलन में उन्होंने आपातकालीन चिकित्सा में पॉइंट–ऑफ–केयर टेस्टिंग के नवाचारों, उनके व्यावहारिक उपयोग तथा भारत में आपातकालीन चिकित्सा को सशक्त बनाने में इसकी भूमिका पर अपने विचार साझा किए। इस वैश्विक आयोजन में 30 से अधिक देशों के विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिसमें विश्वभर से क्लिनिकल और लेबोरेटरी मेडिसिन के अग्रणी विशेषज्ञ शामिल हुए। डॉ. गुप्ता ने कहा कि, "यह मेरे लिए अत्यंत गर्व और सम्मान का विषय था कि मुझे भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। यह अनुभव अत्यंत प्रेरणादायक और उपयोगी रहा।" उन्होंने वॉन्डफो टीम के उत्कृष्ट आयोजन और आतिथ्य के लिए आभार भी व्यक्त किया।

सीएमओ आफिस में नियमों को तांक पर रखकर तैनाती देने मामले में जांच शुरू

लखनऊ, संवाददाता। सीएमओ आफिस में कर्मचारियों को नियमों पर तांक पर रखकर तैनाती दिए जाने के मामले में मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज हुई है। मामले की जांच अपर निदेशक लखनऊ मंडल को सौंपी गई है। अपर निदेशक ने सीएमओ को पत्र भेजकर जवाब तलब किया है। हालांकि अभी तक सीएमओ आफिस से जवाब नहीं भेजा गया है। वहीं हाईस्कूल पास एएनएम को एएनएम ट्रेनिंग सेंटर का इंचार्ज बनाए जाने के मामले में अफसरों की खूब फजीहत हो रही है। जबकि इस पद के लिए बीएससी नर्सिंग होना अनिवार्य है। सीएमओ आफिस में स्टेनो के दो पद हैं। दोनों पद पर महिलाओं की तैनाती पहले से है। मलेरिया विभाग से हटाए गए बाबू को यहां पर स्टेनो पद पर तैनात किया गया है। दो पद के सापेक्ष तीन स्टेनो तैनात होने के मामले को लेकर आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज हुई है। शिकायतकर्ता हिमांशु सोनी का आरोप है मलेरिया विभाग में बाबू के खिलाफ कई आरोप लगने के बाद उसे विभाग से हटाया गया था। अफसरों ने खेल करते हुए सीएमओ आफिस में स्टेनो के पद पर तैनाती दे दिया है। मामले की जांच अपर निदेशक लखनऊ मंडल को सौंपी गई है। अपर निदेशक ने सीएमओ को पत्र भेजकर जवाब मांगा है। हालांकि अभी तक विभाग के जरिये जवाब नहीं भेजा गया है। इसी तरह अलीगंज स्थित एएनएम ट्रेनिंग की प्रभारी हाईस्कूल पास एएनएम को बनाया गया है। नियमता भारतीय उपचर्या परिषद नई दिल्ली की गाइडलाइन के तहत बीएससी नर्सिंग को इस पद पर तैनात होना चाहिए। अभी इस मसले को लेकर पत्र एडी आफिस से भी नहीं मिला है। मामले की जांच कराई जाएगी। नियम के तहत कार्य होगा।

महिला कर्मी ने चुराए 2.80 करोड़ के सोने के जेवर, सी सी टी वी फुटेज से खुलासा, अब पति–पत्नी दे रहे धमकी

लखनऊ, संवाददाता। गोमतीनगर के विवेकखंड स्थित हरसहायमल श्यामलाल ज्वेलर्स के स्टोर से महिला कर्मचारी इंदिरानगर के नारायण नगर निवासी कोमल श्रीवास्तव ने ढाई किलो सोने के जेवर चुरा लिए। इनकी कीमत 2.80 करोड़ है। स्टोर मैनेजर धीरज ने गोमतीनगर थाने में कोमल व उसके पति रितेश के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। धीरज ने बताया कि स्टोर में कोमल चार साल से बैंक ऑफिसर के पद पर काम कर रही थी। धनतेरस के एक दिन पहले स्टोर में जेवरों के स्टॉक की जांच की जा रही थी। जांच में बाय बैंक में लिए गए कुछ जेवर कम पाए गए। आरोप है कि स्टोर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी गई तो पता चला कि कोमल ने 15 अक्तूबर और 16 अक्तूबर को बैंक ऑफिस में से जेवर चुराए और अपने कपड़ों में छिपाकर निकल गई। 19 अक्तूबर को कोमल जब स्टोर पहुंची तो उनसे कर्मचारियों ने पूछताछ की तो उन्होंने चोरी की बात स्वीकार कर ली।

जांच में पकड़ में आई ढाई किलो जेवर की चोरी

स्टोर मैनेजर ने बताया कि कोमल से पूछताछ के बाद जब दोबारा स्टॉक देखे गए तो करीब ढाई किलो जेवर की चोरी पकड़ में आई। आरोपी ने बताया कि उसने जेवर पति रितेश की सहायता से चोरी किए हैं। इनमें कुछ जेवरों को बेच कर दोनों ने मिली रकम से कई संपत्तियां खरीदी हैं। अपनी कार की एकमुश्त किस्त जमा की है। बचे जेवर घर पर रख लिए।

तीन दिन में जेवर लौटाने की कही बात, फिर हो गए रफूचक्कर

स्टोर मैनेजर के मुताबिक आरोपी से पूछताछ के बाद उसके पति को भी स्टोर बुलाया गया। अगले दिन दोपहर तीन बजे रितेश आया और 23 अक्तूबर तक सारे जेवर और रकम स्टोर को लौटाने की बात कही। आरोप है आरोपी ने न तो रकम लौटाई और न जेवर। दबाव बनाने पर आरोपी पति–पत्नी धमकाने लगे और बाद में मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया। स्टोर मैनेजर ने आरोपियों के भाग जाने की आशंका जताते हुए गोमतीनगर थाने में शिकायत की। इंस्पेक्टर ब्रजेश चंद तिवारी के मुताबिक मामले की विवेचना एडिशनल इंस्पेक्टर विनोद कुमार सिंह कर रहे हैं। उन्होंने स्टोर मैनेजर से सीसीटीवी फुटेज मांगे हैं। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सीएम की सुरक्षा में बड़ी चूक, फर्जी आईआरएस बता होटल के कमरे तक पहुंचा जालसाज, गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। विभूतिखंड के होटल मैरियट में ठहरे त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा की सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला सामने आया है। दिल्ली के शकरपुर का रहने वाला प्रशांत मोहन नाम का जालसाज खुद को आईआरएस अफसर बताकर सुरक्षा को भेदते हुए सीएम के कमरे तक पहुंच गया। शक होने पर जांच हुई तो उसके पास से फर्जी आईडी कार्ड, फर्जी विजिटिंग कार्ड मिला। तत्काल उसको गिरफ्तार किया गया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मैरियट होटल के कमरा नंबर 731 में प्रशांत मोहन ठहरा हुआ था। 31 अक्तूबर को होटल में ही त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा भी ठहरे थे। इस बारे में जब प्रशांत मोहन को पता चला तो वह उनसे मिलने की फिराक में जुट गया। कुछ देर के बाद वह सीएम माणिक साहा से मिलने के लिए उनके कमरे तक पहुंच गया। उसने सुरक्षा कर्मियों को बताया कि वह भारत सरकार के वित्त मंत्रालय में आईआरएस अधिकारी है। खुद को एडिशनल कमिश्नर बताते हुए आईडी कार्ड दिखाया। कार्ड आदि देखकर सुरक्षाकर्मियों को संदिग्धता हुई। तुरंत उसको विभूतिखंड पुलिस के हवाले किया गया।

कमरे से मिले जालसाजी के सुबूत

होटल के जिस कमरे में वह ठहरा था, वहां से वित्त मंत्रालय का फर्जी आईडी कार्ड, आईएएस अधिकारी का एक फर्जी विजिटिंग कार्ड, एक आधार कार्ड, एक पैन कार्ड, ट्राली बैग, 1600 रुपये और एक आईफोन मिला है। पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह फर्जी आईआरएस अधिकारी बनकर त्रिपुरा के सीएम से मिलने पहुंचा। पूछताछ के बाद विभूतिखंड थाने में तैनात दरोगा ज्ञान प्रकाश सिंह ने उसके खिलाफ विभूतिखंड थाने में धोखाधड़ी और जालसाजी का केस दर्ज कराया। इंस्पेक्टर विभूतिखंड अमर सिंह का कहना है कि आरोपी होटल से चेक आउट करके भाग गया था।

तीन दिन से होटल में ठहरा था प्रशांत

पूछताछ और होटल के दस्तावेज चेक करने पर पता चला कि आरोपी प्रशांत ने तीन दिन पहले होटल में चेक इन किया था। वह ऑनलाइन बच्चों को पढ़ाने का काम करता है। पूछताछ में उसने इस बात का खुलासा किया है कि वह फर्जी आईआरएस और आईएएस अधिकारी बन लोगों पर रौब गांठता था और अपना काम करवाता था। अब विभूतिखंड पुलिस आरोपी प्रशांत मोहन के बारे में दिल्ली पुलिस से और भी जानकारी जुटा रही है। अब तक पुलिस को उसके खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं मिला है।

जालसाजों ने बना डाले 300 से ज्यादा आयुष्मान कार्ड, फर्जी आईडी बनाकर की करतूत

लखनऊ, संवाददाता। जालसाजों ने 300 से ज्यादा लोगों के आयुष्मान कार्ड फर्जीवाड़ा करके बना डाले। मामले में संबंधित अफसरों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। यह फर्जीवाड़ा दीपावली की छुट्टियों के दौरान साचीज के अधिकारियों की फर्जी आईडी बनाकर किया गया। मामले की रिपोर्ट दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा बरेली, शाहजहांपुर एवं जालंधर के लोगों के कार्ड बनाए गए हैं। लखनऊ के सैदापुर निवासी शिवम पाठक की शिकायत पर हुई जांच में पता चला कि आईएसए आईडी यूएसईआर 6801737 से अबुल कलाम के नाम से कार्ड जारी किया गया है। इस खुलासे के बाद पूरे मामले की गहनता से जांच की गई तो पता चला कि करीब 300 से अधिक आयुष्मान कार्ड फर्जी तरीके से बनाए गए हैं। मामले की जानकारी यूआईडीए के उप महानिदेशक को दी गई है। साचीज ने सभी कार्डों को अवैध घोषित कर दिया है। साथ ही संबंधित कार्ड से उपचार पर क्लेम के भुगतान पर भी रोक लगा दी है। पूरे मामले में स्टेट नोडल अधिकारी डॉ. सचिन वैश्य ने हजरतगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

अनुमोदन के लिए अफसरों के मोबाइल नंबर तक बदल डाले

गिरोह ने कार्ड को अनुमोदित करने के लिए साचीज के सक्षम अधिकारियों की फर्जी आईडी बनाई थी। पोर्टल पर कार्ड के लिए अनुमोदन करने वाले अधिकारियों के वही मोबाइल नंबर जुड़े थे जो उनके आधार कार्ड में संलग्न हैं। फर्जीवाड़ा करने वालों ने पोर्टल पर मोबाइल नंबर ही बदल दिया जिससे ओटीपी संबंधित अधिकारी के पास जाने के बजाय उनके पास जाए। इसी ओटीपी नंबर से नए आयुष्मान कार्डों को अनुमोदित किया गया। साचीज की ओर से अनुमोदन में लगे अधिकारियों की भी भूमिका की जांच की जा रही है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी साचीज अर्चना वर्मा का कहना है कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस के साथ विभागीय जांच भी होगी। करीब 300 आयुष्मान कार्ड को अवैध घोषित किया गया है। अन्य की जांच चल रही है। पिछले छह माह के अंदर जारी होने वाले अन्य कार्डों की भी जांच की जाएगी।

आयुष्मान कार्ड से मिलती है मुफ्त चिकित्सा सुविधा

स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) द्वारा संचालित आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के तहत आयुष्मान कार्ड जारी होते हैं। इस कार्ड के जरिये मुफ्त चिकित्सा की सुविधा मिलती है।

इस बार सधे अंदाज से बसपा मजबूत कर रही है अपनी जमीन, आकाश आनंद ने दिखाई परिपक्वता

लखनऊ, संवाददाता। बिहार चुनाव में बहुजन समाज पार्टी का हाथी सधे कदमों से आगे बढ़ रहा है। पार्टी बिहार में कुछ खोने की स्थिति में नहीं है, जिसे ध्यान में रखकर चुनाव के जरिये संगठन को मजबूत किया जा रहा है। खासकर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद ने बिहार में अपनी परिपक्वता का परिचय दिया है। वह अपनी जनसभाओं में विपक्ष के किसी भी बड़े नेता पर सीधा निशाना साधने के बजाय विभिन्न वर्गों को बसपा के पक्ष में एकजुट करने की कवायद कर अपनी राजनीतिक परिपक्वता का परिचय दे रहे हैं। जानकारों की मानें तो बसपा भले ही बिहार में सरकार बनाने का दावा कर रही हो, लेकिन उसकी कोशिश करीब आधा दर्जन सीटों पर जीत हासिल करने की है। यही वजह है कि पार्टी ने बिहार में प्रत्याशियों के चयन में अपने पुराने सोशल इंजीनियरिंग के फॉर्मूले को अपनाने के साथ पुराने प्रत्याशियों और लोकप्रिय चेहरों को चुना है। आकाश आनंद जहां बिहार में ताबड़तोड़ जनसभाएं कर पार्टी के लिए वोट जुटा रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर बसपा अध्यक्ष मायावती के मुस्लिम कार्ड का असर भी बिहार चुनाव में देखने को मिल सकता है। जिस तरह मायावती ने मुस्लिम समाज का खुलकर समर्थन किया है, उसकी गूंज बिहार तक भी पहुंची है। पार्टी पदाधिकारी बिहार चुनाव के दौरान इसका प्रचार भी कर रहे हैं कि मुस्लिमों का हित केवल बसपा में ही सुरक्षित है। यदि बसपा का यह कार्ड बिहार में सफल रहा तो राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस को नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

मायावती की रैली पर नजर

बसपा प्रत्याशियों की नजर अब 6 नवंबर को कैमूर जिले के भभुआ एयरपोर्ट मैदान पर होने वाली मायावती की रैली पर टिकी हैं, जिसमें वह बिहार की जनता के लिए कुछ अहम घोषणाएं कर सकती हैं। रैली में कई सीटों पर चुनाव लड़ रहे बसपा के प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। बता दें कि कई प्रत्याशियों ने मायावती की रैली आयोजित करने की मांग की थी, जिसके बाद मायावती ने बिहार में प्रचार करने का फैसला लिया है।

पंचायत निर्वाचक नामावली, वृहद पुनरीक्षण-2025 (SIR) को लेकर बैठक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पंचायत निर्वाचक नामावली, वृहद पुनरीक्षण–2025 विधान परिषद निर्वाचन एवं फसल क्षति सर्वे के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट सभागार में रविवार देर सायं जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में समस्त उप जिलाधिकारी सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (पंचायत), जौनपुर, समस्त तहसीलदार, समस्त खण्ड विकास अधिकारी एवं समस्त सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) के साथ बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिये गये कि पंचायत निर्वाचक नामावली, वृहद पुनरीक्षण–2025 में सम्भावित डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन के पश्चात एसडीएम लॉगिन से तत्काल फीडिंग पूर्ण करायी जाये। ई–बीएलओ ऐप से फीड किये गये डेटा का अप्रूवल एसडीएम लॉगिन से शीघ्रता से कराया जाये। ऑनलाइन प्राप्त हुए आवेदन पत्रों की जांच कराकर एसडीएम लॉगिन से अप्रूव/रिजेक्ट किया जाये। जनपद स्तर से फीड किये जाने वाले डेटा की पाण्डुलिपि की 02 प्रति जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत एवं नगरीय निकाय) जौनपुर में दिनांक 05 नवंबर 2025 तक अनिवार्य रूप से जमा करा दी जाये। विधान सभा निर्वाचक नामावली का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के सम्बन्ध में आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के सम्बन्ध में चर्चा की गयी तथा निर्देशित किया गया कि आयोग के निर्देश के क्रम में दिनांक 04 नवंबर 2025 से मतदाताओं को बीएलओ द्वारा गणना पत्रक का वितरण सुनिश्चित किया जाये। वाराणसी खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के समस्त मतदेय स्थलों पर प्राप्त हो रहे फार्म–18 एवं फार्म–19 की आनलाइन इन्ट्री एवं उनके सत्यापन का कार्य ससमय पूर्ण कराते हुए विधान परिषद निर्वाचक नामावली की तैयारी पूर्ण की जाये। वर्षा से हुई फसल क्षति सर्वे के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया कि प्लॉटवार सर्वे को राहत पोर्टल पर अपलोड कराते हुए सत्यापित किया जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, अपर जिलाधिकारी वि0रा0 राम अक्षय आर चौहान, नगर मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सहित अन्य उपस्थित रहे।

विकसित भारत में विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित उत्तर प्रदेश में विकसित जनपदों का योगदान निर्धारित है : राज्य सूचना आयुक्त

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 03 नवम्बर– राज्य सूचना आयुक्त डॉ० दिलीप अग्निहोत्री ने कहा कि विकसित भारत में विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित उत्तर प्रदेश में विकसित जनपदों का योगदान निर्धारित है। राज्य सूचना आयुक्त ने लोक निर्माण विभाग निरीक्षण भवन में कहा कि इस जनपद के विकास का लक्ष्य भी सम्मिलित प्रयासों से पूरा होगा। इसमें जन सूचना अधिकारियों को भी अपने स्तर से जिम्मेदारी का निर्वाह करना होगा। उन्हें न्यूनतम समय में आवेदकों को सूचना प्रदान कर उनकी समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। यह आगामी पच्चीस वर्षों की कार्ययोजना से जुड़ने का अवसर है। आज भारत एक नये भारत के रूप में बढ़ रहा है। वैश्विक मंच पर भारत वर्तमान में दुनिया की सबसे तेजी के साथ उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में दिखाई दे रहा है। उत्तर प्रदेश में भी सैकड़ों योजनाएं विकसित भारत के निर्माण में उल्लेखनीय योगदान सुनिश्चित करेंगी। जौनपुर में आधारभूत संरचना का व्यापक संजाल स्थापित हो रहा है। एक जिला एक उत्पाद से स्थानीय उत्पादों को नई पहचान मिली है। ऐसे में जन जन सामान्य की समस्याओं का समाधान भी होना चाहिए। जन सूचना अधिकारियों को इसके प्रति सजग रहकर सहभागी बनना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला पुलिस कर्मियों ने किया जागरुक

अयोध्या।सोमवार कोमिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला महिला उप निरीक्षक श्वेता राठौर,महिला आरक्षी जयश्री व अंशिका ने आंगनबाड़ी केंद्र पुलिस लाइन,कंपोजिट विद्यालय पुलिस लाइन नगर क्षेत्र मे जाकर शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे मे बताया।इस मौके पर महिला पुलिस कर्मियों ने केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही अति महत्वपूर्ण योजनाओं मे

शामिल जैसे विधवा पेंशन,वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना, और हेल्पलाइन नंबर के बारे में बालिकाओं /महिलाओं को जागरूक किया।वही महिला अपराध संबंधित अपराध के बारे मे बताया गया। उन्हें किसी भी प्रकार पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।

सेवानिवृत मुख्य आरक्षी चालक को एसओ कुमारगंज ने वाहन से छोड़कर दी विदाई

अयोध्या। रविवार को थानाध्यक्ष कुमारगंज ओमप्रकाश ने सेवानिवृत हुए मुख्य आरक्षी ब्रजराज को खुद अपनी गाड़ी पर बिठाकर अपने थाना क्षेत्र की सीमा तक छोड़ा।उनके द्वारा किए गए इस सराहनीय कार्य के चलते थाना कुमारगंज में तैनात पुलिस कर्मियों तथा स्थानीय लोगों ने प्रशंसा किया।इस मौके पर थानाध्यक्ष कुमारगंज पर नियुक्त चालक मुख्य आरक्षी ब्रजराज सिंह के सेवानिवृत होने पर थाना कुमारगंज के पुलिस कर्मियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दिया। मुख्य आरक्षी ब्रजराज सिंह वर्ष 1984 में पुलिस विभाग में भर्ती होकर

भिन्न–भिन्न जनपद एवं थानों पर 41 वर्ष तक अपनी सेवाएं दे चुके हैं। थाना कुमार गंज में लगभग 6 वर्ष तक कार्यकाल रहा है। इनका जनता में एवं अधिकारियों तथा कनिष्ठों से अच्छा व्यवहार रहा है इस अवसर पर थानाध्यक्ष कुमारगंज ओमप्रकाश द्वारा स्मृति चिन्ह एवं शाल भेंट कर उनके सुखमय जीवन की कामना की कामना इसके साथ थाने के सभी पुलिसकर्मियों ने भावभीनी विदाई दी गई।थाना कुमारगंज द्वारा अपने चालक के विदाई के अवसर पर स्वयं गाड़ी चलाकर अपने बॉर्डर तक ले जाकर छोड़ गया।

बीआरडी में गार्डों ने सेना के जवान का सिर फोड़ा, खून से लथपथ हालत में पहुंचा थाने

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर बीआरडी मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार की रात पिता का इलाज कराने आए देवरिया निवासी सेना के जवान की पिटाई का मामला सामने आया है। आरोप है कि गार्डों ने बेरहमी से पीटकर सिर फोड़ दिया। जवान गुलरिहा थाने पहुंचा और आरोपी गार्डों के खिलाफ तहरीर दी। मेडिकल चौकी पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

उधर, शनिवार को इलाज के दौरान जवान के पिता की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वार्ड में जवान के पैर फैलाकर बैठने पर विवाद शुरू हुआ था। जानकारी के मुताबिक, देवरिया जिले के बरवामीर छापर निवासी दुर्गेश कुमार पांडेय सेना में जवान हैं। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पिता बीआरडी मेडिकल कॉलेज के वार्ड नंबर 11 में भर्ती थे। शुक्रवार देर रात वह वार्ड के बाहर दीवार के सहारे पैर फैलाकर बैठे थे। इसी बीच वहां ड्यूटी पर तैनात एक गार्ड आया और कहा कि यहां पैर फैलाकर नहीं बैठ सकते, बाहर जाकर बैठिए। दुर्गेश ने बताया कि उन्होंने जवाब दिया कि वह मरीज की अकेले देखभाल करने वाले हैं, पिता को छोड़कर नहीं जा सकते। इस पर गार्ड ने अभद्रता करते हुए उन्हें हटाने की कोशिश की। आरोप है कि विरोध करने पर गार्ड ने डंडा चला दिया, जिसे दुर्गेश ने हाथ से रोक लिया। इस पर उसने अन्य गार्डों को बुलाकर उनकी जमकर पिटाई कर दी, जिसमें उनका सिर फट गया। खून से लथपथ दुर्गेश गुलरिहा थाने पहुंचे और गार्डों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी। पुलिस के मुताबिक, घटना की जांच की जा रही है और मेडिकल चौकी से रिपोर्ट मांगी गई है। उधर, शनिवार सुबह करीब सात बजे सेना के जवान के पिता की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने शव को देवरिया स्थित पैतृक गांव ले जाकर शाम को अंतिम संस्कार किया।

जनता की सुविधाओं और कार्यों को संपादित कराने के लिए कर्मचारियों की एकता आवश्यक : जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। हिंदी भवन सभागार में सोमवार को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, जनपद जौनपुर का द्विवार्षिक अधिवेशन और चुनाव संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में परिषद के नए पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चुनाव किया गया। अधिवेशन में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी जौनपुर डॉ. दिनेश चंद्र सिंह, इप्सेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वी.पी. मिश्रा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी लक्ष्मी सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सुरेश रावत, प्रदेश महामंत्री अतुल मिश्रा, उप महामंत्री प्रभारी पूर्वांचल आनंद मिश्रा और मंडल अध्यक्ष दयाशंकर राय सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। विधि सलाहकार ऋषभ तिवारी भी मौजूद थे। जिलाधिकारी दिनेश चंद्र सिंह ने कर्मचारियों की एकजुटता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनता की सुविधाओं और कार्यों को संपादित कराने के लिए कर्मचारियों की एकता आवश्यक है। उन्होंने विकसित भारत 2047 के लिए सुझाव देने हेतु अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का भी आग्रह किया। विशेष अतिथि बी. पी. मिश्रा ने बताया कि लाखों कर्मचारियों के समर्थन के परिणामस्वरूप ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में भारत सरकार से वार्ता कर आठवें वेतन आयोग का गठन कराया गया है। उन्होंने कहा कि इसका लाभ जनवरी 2026 से सभी कर्मचारी, शिक्षक और स्थानीय निकाय निगमों के कर्मचारियों को मिलेगा। मिश्रा ने यह भी आश्वासन दिया कि पुरानी पेंशन की बहाली में जो कमी रह गई है, उसे भी ठीक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आउटसोर्स कर्मचारियों का पारिश्रमिक 6,000 रुपये से बढ़ाकर 20,000 रुपये, उच्च पदों पर 22,000 से 25,000 और 40,000 रुपये किया गया है। उनकी सेवा शर्तें भी सुरक्षित की गई हैं और उन्हें ईपीएफ का लाभ मिलेगा। उनके विनियमितीकरण का भी प्रयास किया जा रहा है और रिक्त पदों पर नियमित भर्ती की जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपेंद्र प्रताप सिंह ने की, जबकि संचालन समाजीत द्विवेदी प्रखर ने किया। इसके बाद चुनाव अधिकारी आनंद मिश्रा और सहायक चुनाव अधिकारी दयाशंकर राय ने सर्वसम्मति से निम्नलिखित पदाधिकारियों को निर्वाचित घोषित किया।

संक्षिप्त खबरें

पीआरवी का रिस्पांस टाइम आठ सेकेंड फिसला, रैंकिंग एक स्थान सुधरी

भदोही, संवाददाता। जिले की पुलिस रिस्पांस व्हीकल (पीआरवी) का रिस्पांस टाइम करीब आठ सेकेंड फिसल गया है। अक्तूबर की रैकिंग में रिस्पांस टाइम फिसलने के बाद भी प्रदेश स्तर की रैकिंग में एक अंक का उछाल आया है। जोन में जिले की पुलिस जहां पहले स्थान पर है, वहीं प्रदेश में पांचवें से चौथे स्थान पर पहुंच गई है। अब पीड़ित तक पहुंचने का रिस्पांस टाइम चार मिनट 27 सेकेंड दर्ज किया गया है जबकि सितंबर में चार मिनट 19 सेकेंड रहा। मुसीबत में फंसे लोगों की मदद के लिए पुलिस तेजी से पहुंच रही है। पुलिस विभाग से मिली जानकारी के अनुसार किस जिले की पुलिस कितनी तेज है, इसका अंदाजा उसके रिस्पांस टाइम से लगाया जाता है। इसका आधार है पीआरवी। आपात कालीन नंबर डायल–112 से जुड़ी पीआरवी को सूचना मिलते ही घटनास्थल पर जाने के लिए कहा जाता है। 2024 में स्थिति ठीक नहीं रही लेकिन 2025 के पहले महीने से ही पीआरवी लगातार अपनी रैंकिंग में सुधार कर रही है। अक्तूबर में पीआरवी चार मिनट 27 सेकेंड में ही मुसीबत में फंसे लोगों तक पहुंची। एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि रिस्पांस टाइम को अभी और सुधारने की कोशिश की जा रही है। पुलिसकर्मियों की मेहनत से भदोही टॉप–5 में शामिल है।

चार माह से ठप दो करोड़ की योजना, खोदकर छोड़ दी सड़क

भदोही, संवाददाता। नगर में सीवरेज जलनिकासी योजना के तहत होने वाला नाली निर्माण चार माह से ठप है। दो करोड़ की लागत से छह वार्डों में बनने वाली नाली के निर्माण का कार्य लोगों के विरोध के कारण रुक गया है। 1500 मीटर की नाली का अब तक महज 1100 मीटर तक ही निर्माण हो सका है। दो वार्डों में अब भी नाली नहीं बन सकी है। नाली निर्माण के दौरान खोदकर छोड़ी गई सड़क लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। लोगों ने विरोध के कारण पांच महीने से काम ठप है। नगर पंचायत नई बाजार में कुल 11 वार्ड हैं। नगर की आबादी 17000 के आसपास है। नगर में जलनिकासी की समस्या के समाधान के लिए सीवरेज जल निकासी योजना के तहत दो करोड़ की लागत से छह वार्डों में 1500 मीटर नाली का निर्माण कराया जाना था। योजना के तहत अंडरग्राउंड नाली का निर्माण कराया जाना था। अब तक नगर पंचायत वार्ड संख्या आठ शिवाजी नगर, नंबर पांच लोहिया नगर, वार्ड दो शहीद नगर और वार्ड एक गांधीनगर में अंडरग्राउंड नाली का कार्य हो चुका है। नगर पंचायत की ओर से नाली निर्माण के लिए खोदी जा रहीं सड़कें नाली बनाने के लिए उसी हाल में छोड़ दी जा रही थीं, जिससे पूरा नगर गड्ढों से पट गया और लोगों का सड़कों पर चलना दुश्वार रहा। बारिश होने के बाद तो स्थिति ऐसी हो गई कि हर दिन लोग फिसलकर घायल होते रहे। नाली निर्माण के बाद सड़कों की मरम्मत न कराने पर लोगों ने वार्ड 7 अब्बास नगर और वार्ड 9 आजाद नगर में विरोध कर काम रोकवा दिया। चार महीने से रुके कार्य को अब तक शुरू नहीं कराया जा सका है। आधी–अधूरी बनी नाली के कारण सीवरेज की समस्या का समाधान नहीं हो सका। वहीं नगर की सड़कें भी गड्ढे से भर गई हैं। इससे लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। नगर के लोगों ने नाली निर्माण में दोयम दर्जे के ईंटे का इस्तेमाल होने का आरोप लगाया।

कार्तिक पूर्णिमा मेले को लेकर रहेगा यातायात रुट डायवर्जन

(डा अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। कार्तिक पूर्णिमा मेले को लेकर यातायात पुलिस 4 नवंबर से कार्तिक मेला समाप्ति तक रूट डायवर्जन किया है।इस संबंध में यातायात पुलिस ने बताया कि अयोध्या की ओर 4 नवंबर को दोपहर 12बजे से 05 नवंबर को रात्रि 11 तक कार्तिक पूर्णिमा मेला /भीड़ समाप्ति तक डायवर्जन लागू रहेगा।खासकर ट्रक, डी0सी0एम0, ट्रैक्टर)सुल्तानपुर की ओर से आने वाले वाहनों को कूड़ेभार से पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से गन्तव्य हेतु डायवर्जन किया जायेगा।रायबरेली से आने वाले वाहनों को हलियापुर से पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से गन्तव्य हेतु डायवर्जन किया जायेगा।आजमगढ़ अम्बेडकरनगर से आने वाले वाहनों को गोहन्ना मोड़ अम्बेडकरनगर से दोस्तपुर होकर पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से गन्तव्य हेतु डायवर्जन किया जायेगा।बाराबंकी की ओर से आने वाले वाहनों को भिटरिया रामसनेही घाट से हैदरगढ़ से पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से गन्तव्य हेतु डायवर्जन किया जायेगा।जनपद बस्ती की ओर से आने वाले वाहनों को लोलपुर से नवाबगंज गोण्डा की ओर डायवर्जन किया जायेगा।जनपद गोण्डा की ओर से नवाबगंज से आने वाले वाहनों को लकड़मण्डी से लोलपुर से बस्ती की ओर डायवर्जन किया जायेगा।जनपद गोरखपुर से वाहनों का डायवर्जन– गोरखपुर से लिंक एक्सप्रेस– वे होकर पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर डायवर्जन किया जायेगा। जनपद गोरखपुर – संतकबीरनगर– बस्ती से आने वाले वाहनों को फुटहिया चौकी थाना– नगर से कलवारी से टाण्डा से अकबरपुर से दोस्तपुर से पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर डायवर्जन किया जायेगा।गोरखपुर संतकबीरनगर, बासी, मेहदावल, डुमरियागंज, उतरौला, बलरामपुर, गोण्डा से आने वाले वाहन जरवल रोड तिराहा से वापस आकर बहराइच की ओर जाकर टिकोरा मोड़ से चहलरी घाट रोड होते हुए सिधौली सीतापुर–लखनऊ मार्ग में डायवर्जन किया जायेगा।जनपद बलरामपुर, बहराइच, गोण्डा, श्रावस्ती से अयोध्या होकर लखनऊ जाने वाले वाहनों को टिकोरा मोड़ से चहलरी घाट रोड होते हुए सिधौली सीतापुर–लखनऊ मार्ग में डायवर्जन किया जायेगा।जनपद कानपुर की ओर से आने वाले वाहनों को कानपुर, उन्नाव, मौरावां, मोहनलालगंज, गोसाईगंज, चांद सराय से पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर डायवर्जन किया जायेगा।जनपद लखनऊ में आगरा एक्सप्रेस–वे से आने वाले वाहनों को मोहान, जुनाबगंज, से मोहनलालगंज से गोसाईगंज से पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर डायवर्जन किया जायेगा।जनपद सीतापुर, शाहजहाँपुर, से आने वाले वाहनों को आई0आई0एम0 रोड दुबग्गा से आलमबाग, नहरिया से शहीदपथ होते हुए अहीमामऊ से होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर डायवर्जन किया जायेगा।समस्त डायवर्जन आवश्यक सेवाओं को छोड़कर लागू रहेगा।लकड़मंडी चौराहा बैरियर– लता मंगेशकर चौक, एवं घाट पर स्नानार्थियों/ श्रद्धालुओं की भीड़ होने के कारण गोण्डा की ओर से पुराना सरयूपुल होकर आने वाले सभी प्रकार के वाहन प्रतिबन्धित रहेगें। सभी प्रकार के वाहन लोलपुर(गोण्डा) बाईपास होकर अपने गन्तव्य को जायेगें।दुर्गागंज माझा बैरियर– पुराना सरयू पुल के आगे परिक्रमा मार्ग होने के कारण दुर्गागंज माझा बैरियर से पुराना सरयू पुल की ओर सभी प्रकार वाहनो का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा। सभी प्रकार के वाहन लकड़मंडी चौराहा लोलपुर (गोण्डा) बाईपास होकर अपने गन्तव्य को जायेगें।साकेत पेट्रोल पंप बैरियर– नयाघाट, लता मंगेशकर चौक पर स्नानार्थियों/श्रद्धालुओं की भीड़ होने के कारण सभी प्रकार के वाहन प्रतिबन्धित रहेगें। साकेत पुल के बाएं पार्किंग, साकेत पुल के दाहिने खाली मैदान पार्किंग, बैकुण्ठ धाम के बगल खाली स्थान पार्किंग, बालूघाट के बगल मल्टीलेवल पार्किंग, सूर्या पैलेस के बगल पार्किंग।

धूमधाम से मना आई आई सी टी का स्थापना वर्ष

भदोही, संवाददाता। केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार की ओर से भदोही मे स्थापित भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) की स्थापना को 25 वर्ष पूरे हो गए। इस अवसर को संस्थान के फकल्टी समेत छात्र–छात्राओं ने शनिवार को धूमधाम से मनाया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे कई कालीन निर्यातकों ने स्टाफ और छात्र–छात्राओं को बधाई दी। कार्यक्रम की शुरुआत में तृतीय वर्ष की छात्रा श्रेया ओझा ने भक्तिमयी प्रस्तुति तुम प्रेम हो, तुम प्रीत हो... की प्रस्तुति दी। छात्र अर्पित शुक्ला ने रामधारी सिंह दिनकर के काव्य रश्मिरथी के अंश प्रस्तुत किए। अंतिम वर्ष की छात्रा लेसिका वर्मा ने प्रतियोगिता का संचालन किया। संस्थान के छात्रों अब्दुल कलाम, शाश्वत गुप्ता, यश दुबे, प्रवल्लिका तिरुपति, अर्पित श्रीवास्तव, अनुराग सिंह आदि के बीच वाद–विवाद प्रतियोगिता हुई। द्वितीय वर्ष के छात्र अभिनव मिश्रा ने पुष्प की अभिलाषा कविता सुनाई। अंतिम चरण में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निदेशक डॉ. राजीव कुमार ने अतिथि कालीन निर्यातकों का स्वागत करते हुए आईआईसीटी के 25 वर्षों के इतिहास पर चर्चा की। कालीन निर्यातक रवि पाटोदिया, पीयूष बरनवाल, यादवेंद्र कुमार राय काका ने कहा कि आईआईसीटी अपने उद्देश्यों में कामयाब रहा है।

इंतजार में गुजरा दिन, नहीं आए अन्नदाता

भदोही, संवाददाता। जिले में धान खरीद के पहले दिन क्रय केंद्रों पर सन्नाटा पसरा रहा। क्रय केंद्र प्रभारी पूरे दिन अन्नदाताओं का इंतजार करते रहे। मौसम खराब होने से पहले दिन एक भी किसान केंद्रों पर नहीं पहुंचे। विभाग का मानना है कि 10 नवंबर के बाद केंद्रों पर किसान आना शुरू होंगे। जिले में धान की खरीद के लिए 30 क्रय केंद्र बनाए गए हैं। इसमें तीन लाख 50 हजार क्विंटल धान की खरीद लक्ष्य है। शनिवार से खरीद की शुरुआत हो गई लेकिन एक भी किसान क्रय केंद्रों पर नहीं पहुंचे। चौरी के वेदमनपुर, जंगीगंज, रजपुरा समेत अन्य केंद्रों पर क्रय केंद्र प्रभारी दिन भर किसानों का इंतजार करते रहे। जंगीगंज क्रय केंद्र पर मौसम की खराबी से पहले दिन बोहनी नहीं हुई।

पुलिस मुठभेड़ में नौ अंतरराज्यीय चोर गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, मुंगराबादशाहपुर पुलिस और स्वाट टीम के साथ रविवार देर रात हुई मुठभेड़ में दो शातिर चोरों को गोली लगी है। इस कार्रवाई में घायल हुए दोनों चोरों सहित कुल नौ अंतरराज्यीय चोरों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इनके कब्जे से दो तमंचे, चार कारतूस, लगभग छह किलो चांदी के आभूषण, एक लाख चार हजार रुपये नकद और चोरी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए हैं। यह गिरफ्तारी 21 अक्टूबर 2025 को जौनपुर के मुंगराबादशाहपुर स्थित अनिल सोनी की ज्वैलरी दुकान में हुई चोरी की घटना के खुलासे के तहत की गई है। इस संबंध में सोमवार को जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस मुठभेड़ देर रात करीब 01:15 बजे

नीभापुर रेलवे क्रॉसिंग से आगे काछीडीह मोड़ पर हुई। इसी दौरान घटना को अंजाम देने वाले दो घायल अभियुक्तों सहित नौ कुख्यात अपराधियों को पकड़ा गया। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे उत्तर प्रदेश और बिहार के बड़े शहरों में डेरा डालकर रहते थे। वहां से वे आसपास के जिलों में पहले दुकानों की रेकी करते थे। रात में सुनार की दुकान को निशाना बनाकर नकब लगाते थे या शटर को रस्सी से खींचकर लोहे की रॉड का इस्तेमाल कर दुकान में घुस जाते थे और गहने व नकदी चुरा लेते थे।अभियुक्तों ने बताया कि मुंगराबादशाहपुर की घटना के अलावा, उन्होंने 29 अक्टूबर 2025 को सारनाथ, वाराणसी में एक ज्वैलरी दुकान में चोरी का प्रयास किया था और 27 अक्टूबर 2025 को अलीनगर, चंदौली में भी एक ज्वैलरी दुकान में चोरी की थी। सारनाथ में चोरी के प्रयास के घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज से चोरों का मिलान भी हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि वे 2018 में सारनाथ, वाराणसी के एक मुकदमे में जेल जा चुके हैं।

चोरी का सामान वे प्रशांत पंवार पुत्र हनुमंत पंवार निवासी सुडिया, थाना चौक, वाराणसी को बेचते थे, जो चांदी के आभूषणों को गलाने का काम करता था। गिरफ्तार आरोपित के नाम इस प्रकार है।लादु पुत्र रसिया उर्फ गंगाराम निवासी मिलकिया थाना निगोह जनपद शाहजहाँपुर घायल, पूरन पुत्र पप्पू निवासी ईसापुर थाना निगोह जनपद शाहजहाँपुर घायल, अन्य गिरफ्तार बाबु सिंह पुत्र रामबीर निवासी रावतपुर थाना सिंधौली जनपद शाहजहाँपुर,बीजेन्द्र उर्फ बीजेन्द्र उर्फ मंगल पुत्र रसिया निवासी मिलकिया थाना निगोह जनपद शाहजहाँपुर, सुरेश पुत्र रुकम सिंह उर्फ रकम सिंह निवासी मिलकिया थाना निगोह जनपद शाहजहाँपुर,मोती उर्फ किरकी पुत्र शाहजहाँपुर, अजीत पुत्र कुंदन निवासी रामपुरा थाना पसगवा जनपद लखीमपुर खीरी

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।